तापमान

अधिकतम 31.2 डिग्री

न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

12 क्वालिटी एजुकेशन के लिए स्टूडेंट्स को हिंदी ...



13 वोट चोरी के खिलाफ जामुल और भिलाई-तीन...



भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर



न्यू

ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

नवरात्रि विशेष



षष्ठमः कात्यायनी

मां भगवती का छठा रूप कात्यायनी का है। छठे नवरात्रि को मां की इसी स्वरूप की पूजा होती है। ऐसा विश्वास है कि कात्यायनी के गोत्र में महर्षि कात्यायन हुए थे। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री रूप में जन्म लें। उन्हेंने कठोर तप किया। भगवती ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर उनके घर पुत्री रूप में जन्म लिया। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। यह भी माना जाता है। कि जब पृथ्वी पर महिषासुर के अत्याचार बहुत बढ़ गए, तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ने अपने - अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया। महर्षि कात्यायन ने सबसे पहले इनकी पूजा की। इस कारण से भी यह कात्यायनी कहलाई। ऐसी भी कथा है कि भगवती महर्षि कात्यायन के घर पुत्री रूप में जन्मी थी। आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्ल सप्तमी, अष्टमी और नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषासुर का वध किया था। ऐसी भी कथा है कि कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए गोपियों ने कालिंदी-यमुना के तट पर कात्यायनी मां पूजा की थी। यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित है। कात्यायनी प्रकृति की क्रियात्मक शक्ति है जो मन का तत्वात्मक रूप से संचालन करती है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनका वर्ण स्वर्ण समान है। इनकी पूजा से भक्त इनके पास रहकर परमपद प्राप्त करता है।भगवती कात्यायनी की आराधना का श्लोक है- चंदहासोज्जवलकरा शार्दूलवरवाहना।

54 वर्षीय महिला की ओपन हार्ट सर्जरी, बदला गया माइट्रल वाल्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में हार्ट-लंग मशीन की मदद से हुई जटिल सर्जरी, मरीज को मिली जिंदगी

शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एसएसआईएमएस भिलाई के कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी सीटीवीएस विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 54 वर्षीय महिला की जटिल ओपन हार्ट सर्जरी कर माइट्रल वाल्व बदलने में सफलता हासिल की है। सर्जरी के बाद महिला की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और महज चार से पांच दिनों में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

मरीज बुधवंती लंबे समय से सांस फूलने, दैनिक कार्यों में परेशानी और शारीरिक गतिविधियों के दौरान



अत्यधिक थकान से जूझ रही थीं। सीटीवीएस विभाग में विस्तृत जांच के बाद पता चला कि वह रूमेटिक हार्ट डिजीज से पीड़ित थीं। इसके कारण उनका माइट्रल वाल्व गंभीर रूप से खराब हो गया था। मरीज के बेहतर स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डॉक्टरों ने माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट एमवीआर की सलाह दी। 26 सितंबर को मरीज का कार्डियोपल्मोनरी बाईपास सीपीबी यानी हार्ट-लंग मशीन की सहायता से माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट ऑपरेशन किया गया। यह एक जटिल शल्य प्रक्रिया है, जिसमें ऑपरेशन के दौरान हृदय और फेफड़ों के कार्यों को हार्ट-लंग मशीन की मदद से संचालित किया जाता है। सर्जरी के दौरान खराब हो चुके प्राकृतिक माइट्रल वाल्व को निकालकर उसकी जगह कृत्रिम वाल्व लगाया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज को गहन निगरानी के लिए कार्डियक आईसीयू में रखा गया। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, उनकी रिकवरी संतोषजनक रही और स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होने पर चार से पांच दिनों के भीतर उन्हें छुट्टी दे दी गई।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने किया ऑपरेशन

इस जटिल ओपन हार्ट सर्जरी में कार्डियक सर्जन डॉ. नागेंद्रनाथ मूर्मू और कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. अर्चना माथेस सहित मेडिकल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि मरीज का पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत किया गया। संस्थान के चेयरमैन आईपी मिश्रा और सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. तरुण नायक ने मरीज के शीघ्र स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मरीज और उनके परिजनों ने सफल उपचार के लिए अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के प्रति आभार जताया।

दसवीं और बारहवीं की तिमाही परीक्षा के परिणाम की समीक्षा

सरकारी स्कूल का बनेगा रिपोर्ट कार्ड, परिणाम सुधारने की जिम्मेदारी होगी अब प्राचार्यों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिले में आयोजित तिमाही परीक्षा में दसवी और बारहवीं कक्षाओं के परिणाम की समीक्षा जिला शिक्षा विभाग ने की। जिले के पाटन और धमधा विकासखंड में 60 फीसदी से कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए गुरुवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें कमजोर परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के प्राचार्यों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने और आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

बैठक में पाटन विकासखंड के 32 और धमधा विकासखंड के 37 प्राचार्य उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर और उप संचालक अमित घोष ने विद्यालयों के परीक्षा परिणामों की स्थिति पर चर्चा की। अधिकारियों ने कम परिणाम वाले विद्यालयों के प्राचार्यों से शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए गंभीरता से प्रयास करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए विद्यालय स्तर पर नियमित निगरानी, विद्यार्थियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान और शिक्षकों की प्रभावी भूमिका जरूरी है।



कमजोर विद्यार्थियों पर देना होगा विशेष ध्यान

बैठक में कमजोर परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई में आ रही कठिनाइयों को समय रहते पहचानकर उन्हें दूर करने की जरूरत है। जिन विषयों में विद्यार्थियों का प्रदर्शन कमजोर है, उनमें अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग देकर उनकी तैयारी मजबूत की जानी चाहिए। साथ ही नियमित कक्षाओं के संचालन और पढ़ाई की प्रगति पर नजर रखना भी जरूरी है।

प्राचार्यों की जिम्मेदारी बढ़ी, देना होगा ध्यान

विद्यालयों के परीक्षा परिणाम सुधारने में प्राचार्यों की भूमिका को महत्वपूर्ण माना गया। उन्हें शिक्षकों के साथ समन्वय बनाकर शैक्षणिक गतिविधियों की नियमित समीक्षा करने और विद्यार्थियों की तैयारी पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। उद्देश्य यह है कि कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों की स्थिति में सुधार हो और अधिक से अधिक विद्यार्थी परीक्षा में सफल होकर बेहतर अंक प्राप्त कर सकें।

बेहतर परिणाम के लिए कार्ययोजना पर जोर

शिक्षा विभाग की इस समीक्षा का उद्देश्य कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों की कमियों को दूर कर जिले के शैक्षणिक स्तर को ऊपर उठाना है। अधिकारियों ने प्राचार्यों को परिणाम सुधारने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि अब इन विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी बनाने और विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार लाने की चुनौती रहेगी। विभाग की अपेक्षा है कि निरंतर प्रयासों से कमजोर परिणाम वाले विद्यालय भी बेहतर प्रदर्शन की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

दुनिया के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हुए रूंगटा यूनिवर्सिटी के 4 प्रोफेसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में रूंगटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च के चार प्रोफेसरों ने जगह बनाई है। अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और एल्सेवियर की ओर से जारी इस सूची में यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार और डायरेक्टर रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. एजाजुद्दीन, स्कूल ऑफ फार्मेसी की डायरेक्टर डॉ. मधुलिका प्रधान, प्रोफेसर डॉ. पराग जैन और डॉ. कृष्णा यादव को फार्मेसी और औषधि विज्ञान के क्षेत्र में उनके शोध कार्यों के लिए शामिल किया गया है। खास बात यह है कि इस क्षेत्र में छत्तीसगढ़ से सूची में शामिल कुल 13 वैज्ञानिकों में चार इसी संस्थान से जुड़े हैं। इस तरह राज्य की सूची में रूंगटा यूनिवर्सिटी की हिस्सेदारी करीब 31 प्रतिशत है।



दवा के दुष्प्रभाव होंगे कम

डॉ. एजाजुद्दीन ने बताया कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से मिले एक करोड़ रुपए के अनुदान की मदद से ऐसी दवा विकसित करने पर शोध किया जा रहा है, जिससे कैंसर के उपचार के दौरान मरीजों को होने वाली परेशानियां कम की जा सकें। इसके साथ ही सोरायसिस के इलाज के लिए कम खर्च वाली दवा तैयार करने की दिशा में भी काम चल रहा है। डॉ. एजाजुद्दीन के नाम 150 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित होने और 10 शोध पेटेंट है। उन्हें छत्तीसगढ़ सोसाइटी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस की ओर से बेस्ट साइंटिस्ट अवॉर्ड और पीडी सेठी बेस्ट पेपर अवॉर्ड भी मिल चुका है।

आम आदमी से जुड़ी रिसर्च

डॉ. मधुलिका प्रधान और डॉ. कृष्णा यादव भी कैंसर के उपचार को बेहतर बनाने के लिए शोध कर रही हैं। सोरायसिस और गठिया के इलाज से जुड़े विषयों पर भी शोध जारी है। डॉ. मधुलिका प्रधान को यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड के साथ डेनमार्क की कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। वहीं, डॉ. कृष्णा यादव को डेनमार्क में लियो फाउंडेशन से अंतरराष्ट्रीय शोधवृत्ति मिली है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एक पेटेंट भी प्रदान किया गया है। चारों प्रोफेसरों की इस उपलब्धि पर रूंगटा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति संतोष रूंगटा, कुलपति डॉ. जवाहर सूरी शेट्टी, प्रो-चांसलर डॉ. सौरभ रूंगटा और सीईओ सोनल रूंगटा ने हर्ष व्यक्त किया।

बैंक खातों के दुरुपयोग के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। म्यूल खाता मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि बालाजी नगर खुर्सीपार निवासी तरुण कुमार, शंकर नगर मोहन नगर गौरव साहू , शिवाजी नगर खुर्सीपार जसमीत सिंह, एसटीएफ कॉलोनी बघेरा निखिल नेम , मछली मार्केट खुर्सीपार नरगिस बानो को पकड़ा गया है। इंडियन बैंक के 81 खातों के दुरुपयोग से जुड़े प्रकरण में गृह मंत्रालय के समन्वय पोर्टल से जानकारी के आधार पर अपरादर्ज किया गया था। बैंक खातों के माध्यम से साइबर ठगी की रकम मिलने पर कमीशन के बदले ट्रांसफर करने की गतिविधि में शामिल लोगो की जानकारी जुटाई गई। विवेचना के दौरान सामने आया कि कुछ खाताधारक अपने बैंक खातों को साइबर ठगी में शामिल व्यक्तियों को उपलब्ध कराते थे। इन खातों में ठगी की रकम जमा होने के बाद कमीशन लेकर राशि अन्य खातों में ट्रांसफर की जाती थी। जांच एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया।

म्यूल बैंक खाते खरीदने-बेचने वाले दो बंदी

भिलाई। म्यूल खाते को खरीदने बेचने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ऑनलाइन सट्टा के लेन-देन में खातों का उपयोग से करने वाले कृष्णा नगर, अंबेडकर चौक, सुपेला नीरज गायकवाड़, पुरानी बस्ती, सतनामी पारा, सुपेला अंशु साव को पकड़ा गया। मोबाइल 4, बैंक पासबुक, तीन एटीएम कार्ड जब्त किया गया है। नीरज और अंशु को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जांच में नीरज गायकवाड ने अंशु साव से आंध्र ग्रामीण बैंक के चार खाते 88 हजार में खरीदकर सिकंदर नामक व्यक्ति को 1 लाख में बेचना स्वीकार किया। प्राप्त रकम को सिकंदर द्वारा बताए गए खाते में अंतरित करने की जानकारी दी। इसके एवज में प्रतिमाह 25 हजार मिले थे। जबकि अंशु ने करण सागरिया से आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक के चार म्यूल खाते 80 हजार में खरीदकर नीरज को 88 हजार में बेचना बताया है।

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 9,500/-

सुनहरा अवसर

रायपुर, प्रयागराज, लखनऊ से होकर

स्पेशल ट्रेन

22 से 28 अक्टूबर 2026 (7 दिन)

25 सीट शेष

द्वारकाधीश धाम यात्रा

श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकामेट, श्री सोमनाथ, श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, उज्जैन (श्री महाकालेश्वर)

ऑफर राशि - स्लीपर 9,500/-, 3 एसी-16,500/-, 2 एसी 22,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR- D-38 Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza Power House Road

संपर्क करें:- 9165 411411

सुमीत बाजार

नवरात्रि स्पेशल ऑफ़र

भिलाई व दुर्ग में आज धमाकेदार ऑफर

MRP. ₹999 से ₹1699 प्रति पीस वाले

प्रीमियम ब्रांड्स 100% कॉटन

फार्मल, केजुअल वियर

एक्सक्लूसिव मेन्स

फेस्टिवल स्पेशल शर्ट

3 पीस शर्ट

₹795 में

एक से बढ़कर एक आकर्षक डिजाईन में साईज उपलब्धतानुसार ऑफर स्टॉक रहने तक...

सुधीर एक्सरे के सामने, सुपेला भिलाई

गुरूद्वारा रोड, दुर्ग • सुमीत जंक्शन, पद्मनाभपुर रोड, पुलगांव चौक, दुर्ग

दो साल में ही भिलाई-चरोदा निगम क्षेत्र बदहाल, 40 वार्डों की जनता परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

संसाधन नहीं होने से दिक्कत, बोरिंग से लेकर बिजली तक की व्यवस्था नहीं

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में दो साल में ही पूरी तरह बंटाधार हो गया है। 40 वार्डों में जनता की सुविधा सिर्फ अब खानापूर्ति की तरह हो गई है। सफाई व्यवस्था से लेकर स्ट्रीट लाइट तक का काम करने वाला नहीं है।

वार्डों के पार्षदों द्वारा जनता की सुविधाओं के लिए अपनी राशि लगाकर काम किया जा रहा है। इसके बाद भी निगम भिलाई-चरोदा में विकास के लिए रकम राज्य शासन देती है मगर उस मद के रकम को दूसरे जगह खर्च कर कमीशन की बंदरबाट होता साफ देखा जाता है। इसे लेकर वार्ड के पार्षदों ने अपने वार्ड के विकास कार्यो के लुए निगम आयुक्त डीएस सिंह को लिखित में शिकायत

हरिभूमि सरोकार

33 लाख का पेवर ब्लाक गायब

मिली जानकारी के मुताबिक नूतन चौक से मुक्तिधाम भिलाई तीन के लिए सड़क और उसके किनारे पेवर ब्लाक लगाने के लिए कुल 33 लाख रुपए का टेंडर हुआ था। लेकिन 6 माह पहले सड़क पूरी तरह बन तो गया लेकिन सड़क के किनारे पेवर ब्लाक तक नहीं लग पाया। जब ठेकेदार को इसका पेमेंट होने के बाद पेवर ब्लाक को लेकर हल्ला मचा तो सिर्फ खानापूर्ति के लिए ही सड़क किनारे पेवर ब्लाक लगाया गया जो पूरी तरह से उखड़ भी गया है। इस तरह से भिलाई-चरोदा निगम के वार्डो में अर्से से कमीशनखोरी का खेल बेखौफ चल रहा है। इसे लेकर जनता निगम चुनाव में सबक सिखाने का मन बनाया है।



पंप हाउसों में कट-आउट तक नहीं

भिलाई-चरोदा के निगम क्षेत्र के वार्डो में पेयजल प्रदाय के लिए पंप हाउस का निर्माण कराया गया था। लेकिन जहां दो सालों से एक कट आउट तक नहीं लगा हुआ है। जिसे लेकर भी आयुक्त डीएस राजपूत को शिकायत किया जा चुका है बावजूद व्यवस्था आज तक नहीं सुधर पाई है। इसके अलावा यहां इलेक्ट्रीक पोल में स्वीच तक गायब है। इसके अलावा सफाई के लिए लगने वाला 40 वार्डो में हैंडट्राली तक नहीं है। इसके कारण सफाई तक की व्यवस्था यहां बेहतर ढंग से नहीं हो पाया है। वार्डो में आज तक बोरिंग का काम भी अटका पड़ा हुआ है।

बोरिंग तक नहीं बन पा रहा है

वार्डो में बोरिंग, पाइप लाइन, सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। इसे लेकर कई बार आयुक्त से शिकायत भी किया गया है। व्यवस्था नहीं सुधर पाई है। स्वयं की रकम से वार्डो में काम किया जा रहा है। जनता को नहीं मिल पा रहा है सुविधा।

-राम कुमार सूर्यवंशी, पूर्व पार्षद

नहीं हो रहा है काम

निगम बोरिंग तक नहीं बना पा रहा है। पेयजल की दिक्कते आती है। यहां केबल, टेप, लाइट तक की व्यवस्था नहीं है। स्ट्रीट लाइटें वार्डो में अक्सर बंद रहता है। कई पार्षद अपने निजी रकम से वार्ड के काम को करा रहें है। समस्याओं को लेकर आयुक्त से कई बार शिकायत करते आए है।

-टेनेंद्र कुमार ठाकरे, पार्षद

तक किया लेकिन उनके द्वारा हमेशा विकास के नाम पर सिर्फ टरकाया जाता रहा है। वह चाहे बिजली, पाइप लाइन या फिर स्ट्रीट लाइट के क्लेम आदि के मामले क्यों न हो जनता को सुविधा ना के बाराबर मिल रहा है।

अब यहां निकाय चुनाव होना है मगर निगम अधिकारियों की लापरवाही का हर्जाना अब यहां के पार्षदों को भुगतना पड़ा। यहां सफाई व्यवस्था सिर्फ कागजों में दिखाई देती है वार्डो में हर पार्षद सफाई को लेकर दिक्कत में है अब चुनाव आने के बाद जनता को आश्वासन दिया जा रहा है। भिलाई-चरोदा क्षेत्र की जनसंख्या करीब 1.40 लाख से अधिक है मगर सुविधाओं के नाम पर जनता पर बोझ डाला गया है।

खबर संक्षेप

विशाल महाप्रसाद और भंडारा आज

भिलाई। भिलाई के सुपेला स्थित आकाशगंगा के ढिल्लन कॉम्प्लेक्स में क्वार नवरात्रि के पावन अवसर पर 16 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से विशाल महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कॉम्प्लेक्स के व्यापारियों ने श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से महाप्रसाद ग्रहण कर लाभ लेने की अपील की है।

एसएमएस-3 में बीओएफ सेफ्टी कैनोपी का निर्माण

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में एसआरयू/बीओएफ सेफ्टी कैनोपी का शुभारंभ हुआ। मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा थे। इस्पात निर्माण प्रक्रिया के दौरान लैडल फर्नेस के रूफ/हुड पर स्लैग एवं धातु के जमाव को ध्यान में रखते हुए रखरखाव एवं अन्य कार्यों के दौरान कर्मचारियों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता थी। इन संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए ऊपर से गिरने वाले भारी पदार्थों तथा गर्म पदार्थों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए आंतरिक संसाधनों एवं तकनीकी क्षमताओं के माध्यम से 'एसआरयू/बीओएफ सेफ्टी कैनोपी' का निर्माण किया गया है। इस कैनोपी कार्यस्थल पर कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के रूप में कार्य करती है तथा सुरक्षित कार्य वातावरण को और सुदृढ़ करने में सहायक है।

स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीण लाभान्वित

भिलाई। सेल-बीएसपी द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के अंतर्गत दुर्ग जिले के निकुम ब्लॉक के ग्राम खमारिया, समोदा, पीसेगांव एवं भरदा में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। ग्राम खमारिया शिविर में सीएसआर की ओर से औषधि विशेषज्ञ डॉ. श्रेयश श्रीवास्तव, नर्सिंग स्टाफ जान्हवी, रेणुका, पायल पवार और जिला चिकित्सालय के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ओमेश्वरी साहू ने पंजीयन में सहयोग दिया।

छात्रा के साथ छेड़खानी

भिलाई। स्कूल के डायरेक्टर द्वारा नाबालिग छात्रा के साथ छेड़खानी करने का मामला सामने आया है। घटना खुर्सीपार क्षेत्र की बताई गई हैाी है। मिली जानकारी के मुताबिक आरोप हैं कि फॉरवाल स्कूल डायरेक्टर का नाम राज गुप्ता बताया गया है। विरोध करने पर छात्रा के साथ गालीगलौज भी की गई। छात्रा के परिजन देर रात थाने पहुंचे, उन्होंने मामले की शिकायत की है। पुलिस ने राज को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ की जा रही है। बहरहाल मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, परीक्षा तैयारी व स्कूलों की नियमित निगरानी की कार्ययोजना बनी

क्वालिटी एजुकेशन के लिए स्टूडेंट्स को हिंदी पढ़ने-लिखने और पहाड़ा बोलने में बनाएंगे एक्सपर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, विद्यार्थियों के बुनियादी भाषा ज्ञान और गणितीय दक्षता को मजबूत करने के लिए शिक्षा विभाग ने विशेष कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया गया। गुरुवार को संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय के मंथन हॉल में संभाग के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) और विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों (बीआरसी) की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को हिंदी पढ़ने-लिखने और पहाड़ा बोलने में दक्ष बनाने, स्कूलों की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करने तथा परीक्षा संबंधी तैयारियों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक की अध्यक्षता संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग डॉ. केबी राव ने की। इस दौरान संभाग के विभिन्न विकासखंडों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्कूलों में पढ़ाई के स्तर को बेहतर बनाने के लिए नियमित निगरानी के साथ आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।



शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने इस तरह बनी कार्ययोजना

पहला- कक्षा तीसरी से आठवीं तक के बच्चों पर विशेष फोकस

कक्षा तीसरी से पांचवीं तथा छठवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों की शैक्षणिक दक्षता की समीक्षा की गई। विशेष रूप से हिंदी पढ़ने-लिखने और गणित में पहाड़ा बोलने की क्षमता पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को इन बुनियादी कौशलों में दक्ष बनाने के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की जाए। जिन बच्चों को पढ़ने, लिखने अथवा पहाड़ा बोलने में कठिनाई हो रही है, उनकी पहचान कर अतिरिक्त अभ्यास कराया जाए।

दूसरा- परीक्षा की तैयारी और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन प्रक्रिया

आगामी शैक्षणिक परीक्षाओं की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अर्धवार्षिक परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन अंतर-संकुल स्तर पर कराए जाएंगे। मूल्यांकन प्रक्रिया व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से पूरी कराने कहा ताकि विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर का सही आकलन हो सके। पांचवीं और आठवीं की केंद्रीयकृत परीक्षा से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। परीक्षा के संचालन, तैयारियों और संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

तीसरा- यू-डाइस और पोर्टल की प्रविष्टियां समय पर हों पूरी

स्कूलों से संबंधित आंकड़ों और ऑनलाइन रिकॉर्ड को अद्यतन रखने पर चर्चा की। यू-डाइस में शत-प्रतिशत प्रविष्टियां सुनिश्चित करने तथा अपार आईडी से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी को अद्यतन रखने के साथ-साथ सीआरसी पोर्टल में पंजीकृत, अपंजीकृत, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ से संबंधित आंकड़ों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों से कहा गया कि विभिन्न पोर्टलों पर दर्ज जानकारी में एकरूपता रखी जाए और सभी प्रविष्टियां अद्यतन की जाएं, ताकि विभागीय रिकॉर्ड सही और उपयोगी बना रहे।

कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य अनुपस्थिति पर वेतन नहीं

शिक्षा विभाग ने कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। बैठक में कहा गया कि सभी कर्मचारियों की उपस्थिति एचआरएमएसके ऐप के माध्यम से प्रतिदिन अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए। निर्धारित व्यवस्था के तहत उपस्थिति दर्ज नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने की बात कही गई।

स्कूलों के निरीक्षण और योजनाओं की भी समीक्षा

बैठक में संभाग के अंतर्गत संचालित पीएमश्री विद्यालयों के निरीक्षण की समीक्षा की गई। सीआरए द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण और संबंधित बिंदुओं के आधार पर विद्यालयों में आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रस्तावित स्वामी विवेकानंद विद्यालयों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मध्यान्ह भोजन योजना, स्कूल त्यागी बच्चों की स्थिति और बहुकक्षा शिक्षण से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

जर्जर हो चुके धमधा नाका ओवरब्रिज की शासन-प्रशासन अब तक नहीं ले रहा है सुध



हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

- नई कार्ययोजना को नहीं मिली मंजूरी, हादसे की आशंका

शहर की लाइफ लाइन यानी धमधा नाका ओवर ब्रिज करीब 40 साल पुराना हो चुका है। सरकारी रिकॉर्ड में यह ब्रिज कंडम हो चुका है। बावजूद इसके इस ओवर ब्रिज पर सामान्य और भारी वाहनों की आवाजाही बेधड़क जारी है। इस ब्रिज के मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। लगातार ब्रिज को बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है, लेकिन स्वीकृति नहीं मिल रही। वर्तमान में इस ब्रिज के तैयार करने के लिए अब 110 करोड़ की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जबकि आज से 3 साल पहले तक करीब 58 करोड़ में इसे तैयार करने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। वर्तमान में इस ब्रिज के मुद्दे को लेकर पूर्व विधायक अरुण वोरा ने सेतु निगम के अधिकारियों से मुलाकात की। वस्तु स्थिति की जानकारी ली। साथ ही ब्रिज के नवनिर्माण के लिए प्रयास करने की अपील की।

उन्होंने ओवरब्रिज की वर्तमान स्थिति, मरम्मत की आवश्यकता तथा महाराजा चौक से बोरसी और जेल चौक से मिनीमाता चौक, पुलगांव तक सड़क निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने जानकारी दी कि धमधा नाका रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री दिवंगत मोतीलाल वोरा एवं तत्कालीन रेल मंत्री माधवराव सिंधिया ने की थी।वर्तमान में ओवरब्रिज की जर्जर स्थिति को देखते हुए इसकी सुरक्षा और मरम्मत का मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया है। अरुण वोरा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2020 में इस ब्रिज परियोजना के लिए लगभग 58 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई थी। अब इसकी अनुमानित लागत बढ़कर लगभग 110 करोड़ रुपये होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में परियोजना की वर्तमान स्थिति, लागत में वृद्धि और आवश्यक कार्यों को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए, ताकि निर्माण एवं रखरखाव से जुड़े विषयों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। वोरा ने महाराजा चौक से बोरसी तक तथा जेल चौक से मिनीमाता चौक, पुलगांव तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्यों में पिछले 4 से 5 महीनों से हो रही देरी पर भी चिंता जताई। निर्माण कार्यों और सड़क बंद होने के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों तथा रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धमधा नाका स्थित रेलवे ओवरब्रिज की जर्जर हालत और शहर की प्रमुख सड़कों के निर्माण में देरी को लेकर पूर्व विधायक अरुण वोरा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने ओवरब्रिज की मौजूदा स्थिति पर तकनीकी निरीक्षण कराने और जरूरत के अनुसार मरम्मत के ठोस कदम उठाने की मांग की।

जेब से 20 हजार और दस्तावेज चोरी, गिरफ्तार

भिलाई। शराब भट्ठी के पास भीड़ को देखकर रकम और दस्तावेज पार करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भट्ठी पुलिस ने बताया कि सेक्टर 6 शराब भट्ठी में हुई जेब से नगदी और दस्तावेज चोरी की शिकायत पुलिस में हुई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करने के बाद दो युवकों को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर खुर्सीपार निवासी एस. मार्टिन, ए विकास अपना नाम बताया है। दोनों ने स्वीकार किया कि जेब से 20 हजार, दस्तावेज पार करना स्वीकार किया। आरोपियों के पास से हजार रुपए व दस्तावेज जब्त किए गए। पुलिस को दोनों के पास से साक्ष्यों के आधार पर 1,000 रुपए नगद, आधार कार्ड, पैन कार्ड बरामद किया गया। बिना नंबर की टीवीएस स्कूटी, मोबाइल फोन भी बरामद किया है। जिसकी कुल कीमत 51,400 रुपए आंकी गई है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

छत्तीसगढ़ में शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय की स्थापना ऐतिहासिक निर्णय : डॉ. प्रदीप चौधरी



हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

छत्तीसगढ़ में होम्योपैथी चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। प्रदेश को प्रथम शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय की सौगात मिलना तथा बीएचएमएस पाठ्यक्रम की 63 सीटों पर नवीन शैक्षणिक सत्र में प्रवेश की अनुमति प्राप्त होना होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि है। शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निवास कार्यालय में राज्य होम्योपैथी परिषद, छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। प्रदेश सह-संयोजक डॉ. प्रदीप चौधरी ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ में होम्योपैथी के विकास के लिए एक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि प्रदेश में प्रथम शासकीय होम्योपैथी महाविद्यालय की स्थापना होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। प्रतिनिधिमंडल में रायपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. जेपी शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. संजय शुक्ला, सदस्यगण डॉ. मुकुंद पिंपले डॉ. गुलाब टिकरिहा, डॉ. निर्मल भोई, डॉ. सुशील हरिरमानी, डॉ. ओंकार सिंह राजपूत, डॉ. यशपाल बावरिया, डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी और चिकित्सक उपस्थित थे।

सिविल अस्पताल सुपेला के 40 कर्मियों को छह महीने से नहीं मिला मानदेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

दशहरा-दिवाली करीब, घर चलाना हुआ मुश्किल

शासकीय सिविल अस्पताल सुपेला के जीवनदीप समिति कर्मियों को छह महीने से पूरा मानदेय नहीं मिला है। यहां 40 कर्मी कार्यरत है। इन कर्मियों को निर्धारित 10,600 रुपए प्रतिमाह के स्थान पर मात्र 5,300 रुपए यानी आधा मानदेय दिया जा रहा है। शेष बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किए जाने के संबंध में शिकायत एवं तत्काल कार्यवाही हेतु प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. एके नागदेवे को ज्ञापन दिया। कर्मियों ने कहा है कि प्रत्येक कर्मचारी का 6 माह का कुल बकाया मानदेय 31,800 रुपए हो गया है। कआधा मानदेय दिए जाने का स्पष्ट कारण, संबंधित आदेश तथा भुगतान में कटौती के आधार की जानकारी भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। यदि इस संबंध में कोई आदेश पारित किया गया है, तो उसकी प्रति एवं वैधानिक आधार की जाँच किया जाना आवश्यक है।उनका कहना है कि परिवारों के लिए गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न कर रहा है। घरेलू खर्च, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों के समक्ष समस्या रखी गई है, लेकिन अब तक इसका संतोषजनक निराकरण नहीं हुआ है।

दुर्गवासियों की मांगों को प्राथमिकता से पूरा कर रही सुशासन की सरकार : गजेन्द्र यादव

दुर्ग। उरला वार्ड में पुलिया एवं डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण कार्य हेतु भूमिपूजन किया गया। धमधा रोड स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में 105.85 लाख की लागत से होने वाले रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास कार्यों की सौगात दी गई। मंत्री और शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि सुशासन की सरकार में दुर्ग शहर के विकास की रफ्तार तेज हुई है। शहर के सभी वार्डों में नागरिकों की आवश्यकता और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकास कार्यों को स्वीकृति दी जा रही है। दुर्गवासियों की मांगों को प्राथमिकता



से पूरा करना हमारी प्रतिबद्धता है। सड़क, नाली, पुलिया सहित मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर में सीसी रोड निर्माण होने से आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के नागरिकों एवं परिवहन से जुड़े लोगों को सुविधा मिलेगी। वार्ड क्रमांक 40 में डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण से स्थानीय आवागमन बेहतर होगा और नागरिकों को राहत मिलेगी।

डीपीएस दुर्ग में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नमो सेवा गाथा

नृत्य-नाटिका में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की संघर्षपूर्ण और उपलब्धियों से भरी प्रेरक यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

सेवा, सुशासन, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नमो सेवा गाथा, अनकही कहानियां कार्यक्रम का आयोजन 15 अक्टूबर को दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा पर आधारित भव्य नृत्य-नाटिका सिद्धि से संकल्प तक रही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एमएल जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री मनोज तिवारी, महिला मोर्चा प्रमुख और कार्यक्रम की संयोजिका सागरीका पाढ़ि, हर्षित चौकसे, मिथिला खिचारिया तथा एल. ज्योति विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। नृत्य-नाटिका सिद्धि से संकल्प तक के माध्यम से नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन की 25 वर्षों की यात्रा को नृत्य, संगीत, अभिनय और प्रभावशाली मंचन के जरिए प्रस्तुत किया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 7 अक्टूबर 2001 से प्रारंभ हुई उनकी



प्रशासनिक यात्रा से लेकर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका तक के विभिन्न पहलुओं को कलात्मक रूप से मंच पर साकार किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा, सुशासन, विकास, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयामों को जीवंत कर दिया। प्रस्तुति में स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैज्ञानिक उपलब्धियों, चंद्रयान मिशन तथा आत्मनिर्भर भारत जैसी महत्वपूर्ण पहलों को विशेष स्थान दिया गया। प्राचार्या डॉ. पुनीता नेहरू ने अपने संबोधन में नरेंद्र मोदी के कार्यों,



उनकी जीवनचर्या, कार्यशैली तथा व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्र के विकास और जनकल्याण के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके अनुशासन, सादगी, कर्मनिष्ठा और विनम्रता को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अपने जीवन में अनुशासन, परिश्रम, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एमएल जैन तथा मनोज तिवारी भी उपस्थित थे। सागरीका पाढ़ि की सहभागिता ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हर्षित चौकसे, मिथिला खिचारिया एवं एल ज्योति सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

अंचल में जगह-जगह दुर्गोत्सव की धूम



जामगांव आर। नवागांव में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई।



जामगांव आर। औरी में दुर्गोत्व की मची धूम।



जामगांव आर। जामगांव आर कलामंच में जालम सेन, पवन साहू ने की पूजा।



जामगांव आर। बटरेल में भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश ने की मां की आराधना।



जामगांव आर। बोरवाय में विराजित मां दुर्गा।



जामगांव आर। जरवाय में मां दुर्गा की पूजा में भक्तजन।

पूर्व गृहमंत्री साहू ने माँ बम्लेश्वरी के किए दर्शन



अंडा। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने सपरिवार राजनांदगांव स्थित प्रसिद्ध डोंगरगढ़ पहुँचकर माँ बम्लेश्वरी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। ताम्रध्वज साहू ने परिजनों के साथ माँ बड़ी बम्लेश्वरी एवं माँ छोटी बम्लेश्वरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

सतनामी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप में जेल में हैं सरपंच

एक महीने से सरपंच विहीन अचानकपुर विकास कार्य रुकने से ग्रामीण परेशान

पंचों की मांग के बावजूद नहीं हुई वैकल्पिक व्यवस्था, चरमराई प्रशासनिक व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

जनपद पंचायत पाटन के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अचानकपुर पिछले एक महीने से सरपंच विहीन है। सरपंच के जेल में निरुद्ध होने के बाद भी पंचायत में कोई वैकल्पिक व्यवस्था न हो पाने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत अचानकपुर के सरपंच को 16 सितंबर से सतनामी समाज के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में जेल में निरुद्ध किया गया है। सरपंच के जेल जाने के बाद पंचायत सचिव द्वारा 21 सितंबर को जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को इसकी लिखित सूचना दे दी गई थी। वहीं, पंचायत के पंचों ने कामकाज सुचारु रूप से चलाने के लिए सरपंच को निलंबित कर कार्यवाहक सरपंच नियुक्त करने की मांग उठाई है। इस संबंध में एसडीएम पाटन और जनपद पंचायत सीईओ को ज्ञापन भी सौंपा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसडीएम पाटन ने मामले में प्रकरण दर्ज कर थाना उतई और जनपद पंचायत सीईओ को 12 अक्टूबर तक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, तय तिथि तक संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किए जाने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में पंचायत में वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर स्थिति अब भी अस्पष्ट बनी हुई है।

इस संबंध में जनपद पंचायत पाटन के सीईओ से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। वहीं, एसडीएम पाटन नीलनिधि नन्देहा ने बताया कि पंचों द्वारा आवेदन प्रस्तुत करने के बाद प्रशासनिक फेरबदल के कारण कुछ देरी हुई है, और इस प्रकरण का शीघ्र ही निराकरण कर लिया जाएगा।

त्योहारों के मौसम में ग्रामीणों की बढ़ी परेशानियां

सरपंच के जेल में होने की सूचना और पंचों की मांग के बावजूद अब तक वैकल्पिक व्यवस्था न होना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। विभिन्न शासकीय दस्तावेजों एवं पंचायत संबंधी कार्यों में सरपंच के हस्ताक्षर अनिवार्य होते हैं। ऐसे में सरपंच की अनुपस्थिति और वैकल्पिक व्यवस्था न होने से कामकाज प्रभावित हो रहा है। वर्तमान में नवरात्रि और दशहरा जैसे प्रमुख पर्वों के दौरान गांव की व्यवस्थाओं और आवश्यक कार्यों के संचालन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पंचों ने प्रशासन से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

पहाड़ा प्रतियोगिता में बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन



दुर्ग। शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय मध्य शाला पतोरा में राधा शुक्ला द्वारा पहाड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्राथमिक शाला के बच्चों ने 2 से 20 तक के पहाड़ों में भाग लिया, जिनमें प्रमेश, प्रेक्षा, हर्षिका, खेमेश्वरी, रोशनी, मयंक बारले, हितीश साहू, बीर और निखिल शामिल रहे। वहीं मध्य शाला के बच्चों ने 2 से 25 तक के पहाड़ों की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिनमें प्रिंशी, रिया, धात्री, प्राची, नमिता, ईशिका, थनेंद्र और खुमेंद्र ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भाग लेने वाले सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में पूनम यादव और युवराज साहू ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साह से किया रक्तदान



■ निकुम शासकीय महाविद्यालय में रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निकुम

स्व. पुकेश्वर सिंह भारदीय शासकीय महाविद्यालय निकुम में गुरुवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। शिविर के माध्यम से जिला चिकित्सालय दुर्ग के ब्लड बैंक को कुल 21 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ।

शिविर के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीके बैलेन्द्र, डॉ. सीमा जायसवाल, श्रीमती पूजा अग्रवाल, रेडक्रॉस प्रभारी अंजू रानी ठाकुर, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी वेदप्रकाश ठाकुर, अन्नपूर्णा यादव, डॉ. ओपी चंद्रा, डॉ. शिप्पी देवांगन सहित अन्य शिक्षकों व कर्मचारियों का योगदान रहा। शिविर में जीवंतिका ठाकुर, ओम प्रकाश, कामता प्रसाद बंजारे, माया सुधाकर, प्रियंका निषाद, उमेश कुमार, अमित कुमार, करुणा गजभिए, सुश्री टामिन और येवेन्द्र कुमार सहित अन्य लोगों ने भी सहयोग किया।

आयोजकों ने कहा कि रक्तदान जीवन बचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। रक्त से प्राप्त प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और लाल रक्त कोशिकाओं पीआरबीसी को अलग-अलग जरूरतों के अनुसार मरीजों के उपचार में उपयोग किया जाता है। इस तरह एक यूनिट रक्त से तीन अलग-अलग रक्त घटकों के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिल सकता है।



पोस्टर से समाज को बाल विवाह उन्मूलन का संदेश

जामुल। डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय, जामुल में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर "बाल विवाह समाप्त करें और बालिकाओं के अधिकारों में निवेश करें" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के प्रति जागरूकता फैलाना तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, समानता एवं सशक्तीकरण के अधिकारों के प्रति समाज को संवेदित करना था। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने पोस्टरों के माध्यम से बाल विवाह उन्मूलन, बालिका शिक्षा, महिला सशक्तीकरण तथा बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निवेश की आवश्यकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में नैना देवी शर्मा (बी.कॉम. तृतीय सेमेस्टर) ने प्रथम, ऋषिता श्रीवास्तव (बी.कॉम. प्रथम सेमेस्टर) ने द्वितीय तथा टीशा देशमुख (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) व सानिया साहू (बी.एससी. पंचम सेमेस्टर) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. शशि कश्यप एवं बलराज ताम्रकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पोस्टरों का मूल्यांकन विषयवस्तु, रचनात्मकता, संदेश की स्पष्टता एवं सामाजिक जागरूकता के आधार पर किया।

कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. आर. एस. सिंह के मार्गदर्शन तथा महिला प्रकोष्ठ एवं महिला उत्पीड़न निवारण समिति की संयोजक डॉ. रचना चौधरी के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. आर. एस. सिंह ने बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करने, उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने पर बल दिया।

वोट चोरी के खिलाफ जामुल, भिलाई-तीन और चरोदा में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई/जामुल



■ जामुल में साइकिल रैली लेकर निकले कार्यकर्ता

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर संचालित राष्ट्रव्यापी वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के द्वितीय चरण के तहत जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अंतर्गत जामुल और भिलाई-3 चरोदा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कांग्रेसजनों ने रैली और पदयात्रा निकाली, संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल लोकतंत्र की निष्पक्षता के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। पार्टी ने मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा, निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था सुनिश्चित करने और पूरे मामले की जवाबदेही तय करने की मांग की। जामुल में सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, गिरफ्तारी करने तथा उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग उठाई। भिलाई-3 चरोदा के तत्वावधान में कांग्रेसजनों ने सिरसा गेट से एसडीएम कार्यालय तक पदयात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। पदयात्रा में शामिल कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के समर्थन में नारे लगाए तथा केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अपना विरोध जताया। इस दौरान महापौर निर्मल कोसरे, कृष्णा चंद्राकर, सुजीत बघेल, जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री रामकुमार सूर्यवंशी, श्रीकांत वर्मा, करीम खान, प्रकाश ठाकुर, सुनीता चन्नैवार, सरोजनी चंद्राकर, मन्नु यादव, ओकार निर्मलकर, अशोक वर्मा, सबीहा खान, सुमन वर्मा, द्रोपती साहू, सजय देशलहरे सहित अन्य मौजूद थे।

परीक्षा परिणामों से पाटन कॉलेज में रोष



■ एक ही विषय में 5 से कम अंक मिलने पर गहराया आक्रोश, उठाई निष्पक्ष पुनर्मूल्यांकन की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

पाटन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में हाल ही में जारी परीक्षा परिणाम को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। परीक्षा परिणाम में लगभग 90 से 95 प्रतिशत छात्र-छात्राओं को एक ही विषय में 5 अंक से भी कम अंक मिलने के बाद विद्यार्थियों ने परिणाम की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। इसी मुद्दे को लेकर छात्र नेता युवराज साहू के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने दुर्ग विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच करने की मांग की। छात्र-छात्राओं का कहना है कि एक ही विषय में इतने कम अंक मिलना चिंता का विषय है। इससे विद्यार्थियों के भविष्य और आगे की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से परीक्षा परिणाम की गंभीरता से जांच करने तथा उत्तर पुस्तिकाओं का उचित पुनर्मूल्यांकन कराने की मांग की है, ताकि किसी भी विद्यार्थी के साथ अन्याय न हो।

छात्र हितों के लिए हर स्तर पर संघर्ष

इस संबंध में छात्र नेता युवराज साहू ने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य किसी भी शैक्षणिक व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यदि बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को एक ही विषय में 5 अंक से भी कम अंक प्राप्त हो रहे हैं, तो इस विषय की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है।
ज्ञापन सौंपने के दौरान हरमनप्रीत, प्रिया, लक्ष्मी, धात्री, रश्मि, ममता, दिकेश्वरी, दिव्या, दामिनी, चंद्रकांता, सेजल, रोशनी, लिसा, रौनक दीप, गौरव, समीर, हनी वर्मा, पायल वर्मा, योगिता धनकर, प्रियंका साहू, धनेश्वरी सेन, जागेश्वरी, लीना पटेल, निधि, नेहा, पुष्पेंद्र, मिमांशु, मयंक, भूमि पटेल, मधु ठाकुर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई की जाए और परीक्षा परिणाम को लेकर विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया जाए।

रिसाली के वार्ड 11 व 12 में 1.03 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई



■ विधायक ललित चंद्राकर ने कहा बुनियादी सुविधाओं का होगा विस्तार

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नगर निगम रिसाली के वार्ड 11, मरोदा सेक्टर पूर्व में 39.78 लाख और वार्ड 12, मरोदा सेक्टर पश्चिम में 64.01 लाख की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन सरकार के अंतर्गत नगर निगम रिसाली के सभी 40 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। वार्ड 11 मरोदा सेक्टर पूर्व में रिसाली मंगल सायकल स्टोर के सामने पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य, वार्ड 11 रिसाली एव पॉकेट हनुमान मंदिर के पास पुलिया निर्माण कार्य, वार्ड 11 रिसाली पॉकेट में पुलिया निर्माण कार्य, ठाकुर के घर से अजय सिंह घर तक कल्वर्ट ड्रेन निर्माण कार्य, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत वार्ड 11 मरोदा सेक्टर बीएसपी मार्केट संपदा कोर्ट के पास सिटी ब्यूटीफिकेशन कार्य मरोदा सेक्टर पूर्व जेकेएस नर्सरी स्कूल से बीएसपी मार्केट तक पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य किए जाएंगे। वार्ड 12 मरोदा सेक्टर पश्चिम में पात्रो पान ठेला से एम पॉकेट ब्लॉक नं. 6 तक पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य। रिसाली आई पॉकेट ब्लॉक नं. 1 से 14 तक पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य। रिसाली जे पॉकेट ब्लॉक नं. 1 से 22 तक पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य। रिसाली के पॉकेट ब्लॉक नं. 6 से 35 तक पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत वार्ड क्र. 12 आई पॉकेट सांई मंदिर के पास सिटी ब्यूटीफिकेशन कार्य। मरोदा सेक्टर पश्चिम धन्वन्तरी मेडिकल मंगल मार्केट के पास दोनों ओर पाथवे निर्माण एवं रोड चौडीकरण कार्य। मरोदा सेक्टर पश्चिम धन्वन्तरी मेडिकल से मार्केट तक पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य। मरोदा सेक्टर पश्चिम ब्लॉक नं. 11 से 16 तक नाली निर्माण कार्य होगा। इस अवसर पर रिसाली निगम महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, अनुपम साहू, राजू जंघेल, शैलेन्द्र साहू, समीर साहू, सीमा साहू, ममता सिन्हा, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी और नगरवासी उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

मैं मोहम्मद शाहुल MOHAMED SHAHUL (पुराना नाम जिसे बदला जाना हैं) सुपुत्र बिनु जॉन BINU JOHN गांव/शहर फलैट नंबर-32, ब्लॉक-डी-6, चतुर्थ तल, चौहान ग्रीन वैली, चौहान हाउसिंग मोती लाल नेहरू नगर भिलाई, तहसील दुर्ग, जिला दुर्ग छ.ग. ने अपना नाम मोहम्मद शाहुल MOHAMED SHAHUL (पुराना नाम) से बदलकर शीबु चेरूविल SHIBU CHARUVIL s/o बिनु जॉन BINU JOHN (नया नाम) रख लिया है।

मोहम्मद शाहुल
हस्ताक्षर (पुरानै नाम से)

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट उपलब्ध



दुर्ग। दुर्ग के इंदिरा मार्केट स्थित शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स की अनगिनत डिजाइन लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं। संचालक श्री सोनी ने बताया कि उनहोंने अपने यहां मासिक ई योजना चालू की है। इसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि उनके यहां घर पहुंच सेवा भी उपलब्ध है। ग्राहक अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट घर से भी दे सकता है। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। पुराने गहने को बिना वजन घटे नया बनाने का काम भी ओम ज्वेलर्स करता है। ज्वेलरी रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है। आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के हॉलमार्क गहने उपलब्ध हैं। उन्हें यहां पूरे शहर से कम दाम पर ज्वेलरी उपलब्ध है। 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपोर्टेंट वॉच, जितना सोना उतनी चांदी फ्री दी जाती है।



नवरात्रि के छठे दिन की देवी

नवरात्रि के छठे दिन मां दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कात्यायनी को शक्ति, साहस, पराक्रम और धर्म की रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां अपने भक्तों के कष्टों को दूर कर उन्हें भय और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति दिलाती हैं। उनका दिव्य स्वरूप अधर्म पर धर्म की विजय और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। मां कात्यायनी की आराधना से भक्तों में आत्मविश्वास, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

माँ कात्यायनी

नवरात्रि के छठे दिन होती है मां कात्यायनी की पूजा, भक्तों को निर्भयता, आत्मविश्वास और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं देवी

मां कात्यायनी का मंत्र

नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा के दौरान इस मंत्र का जाप किया जाता है–

ॐ देवी कात्यायन्यै नमः॥

मां कात्यायनी की स्तुति में यह मंत्र भी प्रचलित है–

चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद् देवी दानवघातिनी॥







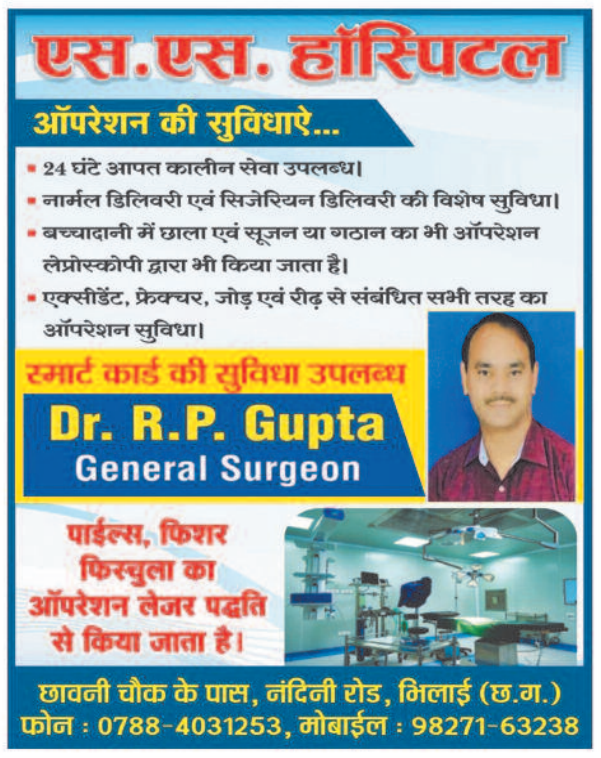









महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रकट हुई मां कात्यायनी

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महर्षि कात्यायन ने मां भगवती को पुत्री रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। महर्षि कात्यायन की पुत्री होने के कारण देवी का नाम कात्यायनी पड़ा। दूसरी ओर, पौराणिक कथा के अनुसार, जब महिषासुर के अत्याचारों से देवता और पृथ्वीवासी परेशान हो गए, तब देवताओं के तेज से मां दुर्गा का प्राकट्य हुआ। मां कात्यायनी ने महिषासुर का वध कर देवताओं को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई। इसी कारण उन्हें महिषासुरमर्दिनी के नाम से भी जाना जाता है। उनका यह स्वरूप अन्याय, अहंकार और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

दिव्य और तेजस्वी है मां कात्यायनी का स्वरूप

मां कात्यायनी का स्वरूप अत्यंत दिव्य, तेजस्वी और प्रभावशाली है। उनकी आभा भक्तों के मन में श्रद्धा और विश्वास का संचार करती है। देवी का वर्ण स्वर्ण के समान चमकीला और आभामय माना जाता है। वे सिंह पर सवार रहती हैं, जो शक्ति, साहस, निर्भयता और पराक्रम का प्रतीक है। सिंह पर विराजमान मां का स्वरूप यह संदेश देता है कि सच्ची शक्ति वही है, जो अन्याय और बुराई का सामना करने का साहस रखती है। मां कात्यायनी की चार भुजाएं हैं। उनके एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में कमल पुष्प सुशोभित रहता है। उनके अन्य दो हाथों में से एक अभय मुद्रा में और दूसरा वरद मुद्रा में रहता है। तलवार अधर्म के विनाश और बुराइयों के अंत का प्रतीक है, जबकि कमल पवित्रता, शांति और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देता है। अभय मुद्रा भक्तों को निर्भय रहने का आशीर्वाद देती है और वरद मुद्रा जीवन में सुख, समृद्धि तथा मनोकामनाओं की पूर्ति का प्रतीक मानी जाती है। उनके मुख पर दिव्य तेज और करुणा का भाव दिखाई देता है। एक ओर उनका स्वरूप दुष्ट शक्तियों के लिए भय उत्पन्न करने वाला है, तो दूसरी ओर भक्तों के लिए ममतामयी और कल्याणकारी है। मां का यह रूप बताता है कि शक्ति का उद्देश्य केवल शत्रुओं का नाश करना नहीं, बल्कि निर्बलों की रक्षा करना, धर्म की स्थापना करना और संसार में संतुलन बनाए रखना भी है।

पूजा से मिलता है साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां कात्यायनी की आराधना करने से भक्तों को साहस, आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति प्राप्त होती है। मां को संकटों का निवारण करने वाली देवी माना जाता है। उनकी पूजा भक्तों को कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और सही मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02



आज दुर्गोत्सव शुरू, बंगाली समाज ...

ट्विनसिटी में शारदीय नवरात्र में माता दुर्गा के विभिन्न स्थानों के दर्शन



गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति दुर्ग



जगन्नाथ धाम पंडाल पद्मनाभपुर



आरडी स्कूल पीछे सूर्य नगर डिपरा पारा श्री संकट मोचन दुर्गा उत्सव समिति दुर्ग



युवा मां शक्ति दुर्गोत्सवसमिति सड़क 13 मैदान सेक्टर 6 भिलाई



श्री बांके बिहारी नवदुर्गोत्सव समिति



मां नौ दुर्गा उत्सव समिति फायर ब्रिगेड ग्राउंड सेक्टर 1



सार्वजनिक दुर्गोत्सव लोक नगर उमरपोटी नेवई भाठा

● हरिभूमि, आईएनएच एवं सर्व शक्ति सेवा समिति के दिलबर डांडिया महोत्सव के पांचवें दिन भी उमड़ा उत्साह

पारंपरिक गरबा से सजा वेल्डेक्स ग्राउंड, ट्विनसिटी के हर आयु वर्ग में दिखा उत्साह, अंतिम पांच दिनों में मिलेंगे आकर्षक उपहार

भिलाई। नवरात्रि की भक्ति, गुजराती गीतों की मधुर धुन और डांडिया की खनक के बीच ट्विनसिटी में गरबा का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। सिविक सेंटर स्थित वेल्डेक्स ग्राउंड में आयोजित हरिभूमि, आईएनएच एवं सर्व शक्ति सेवा समिति के नौ दिवसीय दिलबर डांडिया महोत्सव के पांचवें दिन गुरुवार को भी बड़ी संख्या में शहरवासी पारंपरिक परिधानों में सजकर पहुंचे। मां दुर्गा की आराधना के भाव के साथ गरबा की ताल पर कदम मिलाते युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने उत्सव को खास बना दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, एक जैसे ड्रेस कोड में पहुंचे युवाओं के समूह और गरबा के आकर्षक स्टेप्स ने पूरे परिसर को उत्सवी रंग में रंग दिया। इसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर आयु वर्ग के लोग उत्साह के साथ भागीदारी कर रहे हैं। प्रवेश निःशुल्क होने के कारण परिवार और मित्रों के समूह भी बड़ी संख्या में आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं।

पारंपरिक परिधानों और थीम ने खींचा ध्यान

इस बार महोत्सव में पारंपरिक गरबा के साथ प्रतिभागियों का अलग-अलग अंदाज भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। युवा अपने दोस्तों के साथ एक जैसे रंगों और थीम वाले परिधानों में पहुंच रहे हैं। कोई पारंपरिक गुजराती वेशभूषा में नजर आ रहा है, तो कोई आकर्षक ड्रेस कोड के साथ समूह में गरबा करता दिखाई दे रहा है। हाथों में रंगीन डांडिया और चेहरे पर उत्साह के साथ प्रतिभागी नृत्य का आनंद ले रहे हैं। गरबा के मैदान में पुराने परिचितों से मुलाकात, नए लोगों से मेल-जोल और परिवार के साथ बिताए जा रहे खुशनुमा पल आयोजन को सामाजिक जुड़ाव का भी अवसर बना रहे हैं। हर साल की तरह इस बार भी ट्विनसिटी के लोगों में हरिभूमि के डांडिया महोत्सव को लेकर खास उत्साह देखने मिल रहा है।

भवानी गरबा से सनेडो तक, हर धुन पर थिरक रहे कदम

गुजराती गीतों की लय पर भवानी गरबा, सनेडो, दो ताली और चौकड़ी-छकड़ी जैसे पारंपरिक नृत्य की धूम है। डांडिया की छड़ियों की खनक और तालियों की गूंज के बीच प्रतिभागी समूह में कदम मिलाते नजर आ रहे हैं। महिलाएं और युवतियां पारंपरिक गरबा की प्रस्तुति दे रही हैं, वहीं युवा नए स्टेप्स के साथ उत्सव में रंग भर रहे हैं।









बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी में उत्साह

दिलबर डांडिया महोत्सव की खासियत है कि इसमें किसी एक आयु वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की भागीदारी दिखाई देती है।

दुर्ग पंडालों में पहुंचे कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, माता रानी के दर्शन कर दीं नवरात्रि की शुभकामनाएं

दुर्ग। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर कैबिनेट मंत्री और दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने शहर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता रानी से दुर्गवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना करते हुए श्रद्धालुओं को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं। नवरात्रि के चौथे दिन मंत्री गजेन्द्र यादव ने धमधा नाका चौक, पुलगांव बस्ती, बोरसी कॉलोनी, वृंदानगर, प्रगतिनगर, बोरसीभांठा, पद्मनाभपुर एवं पोटियाकला बस्ती में विराजित माता रानी के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका अभिवादन किये। इसके पश्चात वे पचरीपारा एवं गयानगर में आयोजित जस झांकी और जगराता कार्यक्रमों में शामिल हुए तथा भक्तिमय आयोजनों का आनंद लिये।





बच्चे, किशोर, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी नवरात्रि की खुशियां साझा करने पहुंच रहे हैं। परिवार के सदस्य एक साथ गरबा करते हैं, तो मित्रों के समूह अपनी पसंदीदा धुनों पर थिरकते नजर आते हैं।

आयोजन में बरमेचा टेक्सटाइल के कैलाश जैन बरमेचा, चिराग गोयल, मिसेस कल्चरल 2024 शिखा साहू, पूर्णिमा लक्ष्मीपतिराजू, संयुक्त महिला समिति की अध्यक्ष अनुजा अग्रवाल, सरस्वती, नीरा लखेरा, दीप्ति खुराना और रोजलीना, रीता वैष्णव आयोजक सर्व शक्ति सेवा समिति से जोनाथन जोना, अविनाश माहेश्वरी सहित अन्य अतिथि एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस अवसर पर हरिभूमि के ब्रांच हेड विजय मंडल, पत्रकार जेएम तांडी, संगीता मिश्रा, कौशिक, राजीव पांडेय, फोटोग्राफर संजय पांडेय, राजू डोरा, पिंकी चौधरी सहित पूरी टीम मौजूद रही।

माइक्रोऑर्गेनिज्म डे पर विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा, हुए सम्मानित

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में माइक्रोऑर्गेनिज्म डे 2026 पर विज्ञान एवं आविष्कार थीम पर पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, नवाचार और सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रति रुचि को प्रोत्साहित किया गया।

प्रतिभागियों के सूक्ष्मजीवों के महत्व, उपयोगिता और विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भूमिका पर आधारित ज्ञानवर्धक और रचनात्मक पोस्टर आकर्षण के केन्द्र रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. आलोक भट्ट, डॉ. श्रीकांत साहू, डॉ. विद्यावती चंद्राकर शामिल थे। विषयवस्तु, वैज्ञानिक जानकारी, रचनात्मकता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर प्रथम स्थान योगिता और गीतू बीएससी तृतीय सेमेस्टर माइक्रोबायोलॉजी, द्वितीय स्थान तोमन लाल एमएससी तृतीय सेमेस्टर माइक्रोबायोलॉजी और संपदा बीएससी प्रथम सेमेस्टर माइक्रोबायोलॉजी, तृतीय स्थान अंजलि बीएससी पंचम सेमेस्टर माइक्रोबायोलॉजी तथा साहिल, कलश व श्वेता बीएससी तृतीय सेमेस्टर बायोटेक्नोलॉजी को मिला। विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।



पंचमी पर माता का विशेष श्रृंगार, मां कल्याणी शीतला मंदिर में नवरात्रि की धूम, 1109 ज्योति कलश प्रज्वलित

भिलाई। शारदीय क्वांर नवरात्रि महापर्व की शुरुआत के साथ मरोदा टैंक, रिसाली स्थित मां कल्याणी शीतला मंदिर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। मंदिर में इस वर्ष 1109 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती और चंडी पाठ के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पंचमी पर माता का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र शैली ने बताया कि 15 अक्टूबर को पंचमी तिथि पर बाना परघौनी, बैरन पूजा, शक्ति पूजा और कलश चढ़ावा का कार्यक्रम हुआ। दोपहर 12 बजे बाना परघौनी, वहीं रात 9 बजे जय गणेश रामधुनी झांकी मंडली, सिरपुर बगईकोन्हा, लोहरा द्वारा रामधुनी झांकी प्रस्तुत दी गई। 16 अक्टूबर को षष्ठी तिथि पर रात 9 बजे श्री कृष्ण रामधुनी परिवार, ग्राम तमोरा, बालोद का कार्यक्रम होगा। 17 अक्टूबर को सप्तमी तिथि पर जय दुर्गा पंडवानी एवं भजन मंडली, निनवा (तिल्दा-भाटापारा) की प्रस्तुति होगी। इसमें गायिका कु. दुर्गा साहू और रागी निर्मल साहू शामिल होंगे। 18 अक्टूबर को सप्तमी तिथि के अवसर पर रात 9 बजे जय छत्तीसगढ़ बाबा जसगाथा परिवार, छातागढ़ मोहलाई, दुर्ग द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

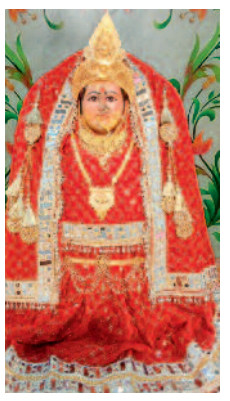

नवरात्र में नौ दिन बेटियों की पूजा, शिक्षा और स्वास्थ्य का संदेश दे रहा सत्तीचौरा मंदिर

रोज 150 से अधिक कन्याओं का पूजन कर कराया जा रहा भोज, शिक्षण सामग्री और फलों का किया जा रहा वितरण

कार्नर न्यूज

भिलाई। नवरात्र में जहां देवी आराधना के साथ कन्या पूजन की परंपरा निभाई जाती है, वहीं दुर्ग के गंजपारा स्थित श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर में नौ दिनों तक बेटियों की पूजा के साथ उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहित करने की अनूठी पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन 150 से अधिक कन्याओं का पूजन कर उन्हें कन्या भोज कराकर शिक्षण सामग्री, फल और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भेंट की जा रही हैं। इस पहल के माध्यम से बेटियों के सम्मान के साथ उनकी शिक्षा को बढ़ावा देने का संदेश दिया जा रहा है।

श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर में क्वांर नवरात्र के अवसर पर 11 से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे कन्या पूजन और कन्या भोज आयोजित होगा। इससे पहले सुबह 9 बजे माता का अभिषेक किया जाता है। समिति के ईशान शर्मा और अर्जित शुक्ला ने बताया कि प्रतिदिन अलग-अलग सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बेटियों को वाहन से मंदिर परिसर लाया जाता है। यहां उनका तिलक लगाकर पूजन किया जाता है और चुनरी ओढ़ाकर कन्या भोज कराया जाता है।



शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहन

कन्याओं को भेंट स्वरूप स्कूल बैग, पानी की बोतल, टिफिन, पेंसिल, रबर, शार्पनर, कॉपी, पेन बॉक्स, ड्राइंग बुक और नौ प्रकार के फल दिए जा रहे हैं। इस आयोजन में समाजसेविका पायल जैन भी प्रतिदिन कन्याओं को तिलक लगाकर पूजन करती हैं और फल व शिक्षण सामग्री वितरित करती हैं। समिति का मानना है कि बेटियां शिक्षित होंगी तो परिवार के साथ पूरा समाज भी शिक्षित और जागरूक बनेगा। इसी सोच के साथ धार्मिक परंपरा को सामाजिक सरोकार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

20 अक्टूबर को होगा महाकन्या भोज

सत्तीचौरा समिति की ओर से प्रतिवर्ष विशाल महाकन्या भोज का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में कन्याओं का पूजन, शोभायात्रा और भोज के साथ सामग्री वितरण किया जाता है। इस वर्ष महाकन्या भोज 20 अक्टूबर को आयोजित होगा। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समिति की ओर से पार्षदों को पत्र भेजकर अपने-अपने वार्ड से कन्याओं को आयोजन में लाने का आग्रह किया जा रहा है।



सिटी इवेंट

ड्राइंग किट वितरण, सिलाई केंद्र और जनसुविधाओं के जरिए सेवा का संदेश



भिलाई। बच्चों की रचनात्मकता को पंख देने से लेकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तक, लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी की आधिकारिक यात्रा सेवा और सामाजिक सरोकारों के कई रंगों से सजी रही। डिस्ट्रिक्ट, रीजन और एरिया पदाधिकारियों की संयुक्त यात्रा के दौरान विद्यालय में ड्राइंग किट बांटी गईं, पौधारोपण किया गया, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों को पोषण आहार वितरित किया गया। आदर्श नगर उद्यान में झूले-बेंच का उद्घाटन, सिलाई केंद्र की शुरुआत और स्थायी परियोजना के लिए सिलाई मशीन भेंट कर महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दिया गया। यात्रा में डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट रश्मि अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट सचिव प्रशासनिक विभा भूटानी, सचिव सर्विसेज सीमा यादव, सचिव होम रुचि सक्सेना, रीजन ऑफिसर रश्मि लखोटिया और रीजन सचिव मीना सिंह शामिल रहीं। पोटिया कला के शासकीय विद्यालय में बच्चों ने तिलक लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। सरस्वती वंदना और जसगीत के बीच ड्राइंग किट वितरण हुआ। आंगनबाड़ी केंद्र में दो गर्भवती महिलाओं की गोद भराई के साथ बच्चों को डेंटल किट और भोजन दिया गया। सिलाई केंद्र में महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता की राह मजबूत करने के उद्देश्य से मीनाक्षी अग्रवाल ने स्थायी परियोजना के लिए सिलाई मशीन भेंट की। इसके बाद होटल सागर इंटरनेशनल में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक और आधिकारिक सभा हुई। अध्यक्ष आकांक्षा मिश्रा ने स्वागत भाषण, सचिव ने प्रतिवेदन और कोषाध्यक्ष रितु ठाकुर ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। रश्मि लखोटिया और रश्मि अग्रवाल ने सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आगे भी जनहितकारी परियोजनाएं चलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में रत्नमाला पालिया, विभा गुप्ता, राजकुमारी तिवारी, दुर्गेश नंदिनी दुबे, अनीता तिवारी, रुचि सक्सेना, शरद अग्रवाल, शानू अग्रवाल, सिंधु चंदेल, सरिता मिश्रा और कमलेश शर्मा उपस्थित रहे। आयोजन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर मीनाक्षी अग्रवाल रहीं। संचालन रुचि सक्सेना और आभार अनीता तिवारी ने व्यक्त किया। पूर्व अध्यक्षों का सम्मान भी किया गया।

एजुकेशन लाइव

बच्चों ने समझी स्वस्थ जीवन शैली स्क्रीन प्रबंधन की दी जानकारी



भिलाई। किशोरावस्था की दहलीज पर कदम रख रहे बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल डीपीएस मरोदा कैंपस के जूनियर विंग में एक वृहद सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की प्रमुख राष्ट्रीय पहल प्रेसिडेंशियल एक्शन प्लान 2026 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ और दुर्ग-भिलाई एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से संपन्न हुए इस प्री-टीन मॉड्यूल कार्यक्रम में एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की। आयोजन आईएपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीलम मोहन के नेतृत्व, डीपीएस मरोदा के प्रभारी प्राचार्य ए.एच. जुनजानी के मार्गदर्शन और जूनियर विंग की प्रधानाध्यापिका डॉ. गीता जुनजानी के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा सेवा प्रमुख डॉ. उदय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आठ से बारह वर्ष की आयु बच्चों के भविष्य के स्वास्थ्य की मुख्य नींव होती है और शुरुआती उम्र में जागरूकता के माध्यम से मोटापा, चिंता तथा स्क्रीन की लत जैसी समस्याओं की रोकथाम आसानी से की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि और आईएपी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रजनीश मल्होत्रा ने बताया कि आज के बच्चे कम उम्र में ही यौवन संबंधी बदलावों और सहकर्मियों के दबाव का सामना करते हैं, ऐसे में शोध-आधारित प्री-टीन मॉड्यूल बच्चों को जीवन कौशल सिखाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रीय संकाय के डॉ. अरविंद सावंत ने किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक बदलावों, संतुलित पोषण और प्रतिदिन साठ मिनट खेलकूद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डिजिटल युग में स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग से बचने के लिए अध्ययन, नींद और सामाजिक रूप से साथ भोजन करने के दौरान स्क्रीन से दूर रहने का तीन एस नियम समझाया। जे.एल.एन.एच.आर.सी. की बाल रोग मुख्य सलाहकार डॉ. माला चौधरी ने भावनात्मक स्वास्थ्य, क्रोध प्रबंधन, सहकर्मी दबाव को ना कहने और तार्किक सोच के महत्व को समझाते हुए बच्चों को अपने माता-पिता तथा शिक्षकों से खुलकर बातचीत करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का संचालन और समन्वय हेंसी पोथेन एवं गौरी कुमार ने संयुक्त रूप से किया तथा अंत में डॉ. गीता जुनजानी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

जी. सुरेश पिल्लई भारतीय महिला हैंडबॉल टीम के टीम मैनेजर नियुक्त



भिलाई। छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है। भिलाई निवासी श्री जी. सुरेश पिल्लई बाबे को भारतीय महिला हैंडबॉल टीम का टीम मैनेजर नियुक्त किया गया है। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह द्वारा गुरुवार को जारी पत्र के अनुसार सुरेश पिल्लई बांग्लादेश के ढाका में 18 से 22 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली आईएचएफ ट्रॉफी सीनियर वुमेन्स हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम के मैनेजर की भूमिका निभाएंगे। इस चैंपियनशिप में भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, मालदीव, भूटान, अफगानिस्तान और श्रीलंका की टीमें भाग लेंगी। एसोसिएशन ने उन्हें 17 अक्टूबर को नई दिल्ली में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए हैं, जहां ब्रीफिंग और यात्रा संबंधी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। भिलाई के खेल जगत में इस नियुक्ति से हर्ष का माहौल है। सुरेश पिल्लई लंबे समय से हैंडबॉल के विकास से जुड़े रहे हैं।

● वैशालीनगर कालीबाड़ी में स्वर्ण जयंती की रहेगी धूम

आज दुर्गोत्सव शुरू, बंगाली समाज में खास उत्साह सुबह पूजा के बाद मां दुर्गा के मुख से हटेगा आवरण

शहर में आज से शारदीय दुर्गोत्सव की शुरुआत हो रही है। सुबह से ही कालीबाड़ियों और बंगाली दुर्गा पंडालों में पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू होगा। पूजा के बाद मां दुर्गा के मुख से आवरण हटाया जाएगा, जिसके बाद श्रद्धालु मां के दर्शन कर सकेंगे। दुर्गोत्सव को लेकर बंगाली समाज में खास उत्साह है। वहीं वैशालीनगर कालीबाड़ी में इस वर्ष का आयोजन विशेष होने जा रहा है, क्योंकि दुर्गोत्सव का 50वां वर्ष है। यहां पं. श्रीकांतो चक्रवर्ती और टीम द्वारा पूजा संपन्न कराया जाएगा। स्वर्ण जयंती वर्ष को यादगार बनाने के लिए वैशालीनगर कालीबाड़ी समिति ने विशेष तैयारियां की हैं। पंडाल को भव्य और आकर्षक रूप देने के लिए कोलकाता के कलाकारों को बुलाया गया है। इस बार थीम आधारित पंडाल तैयार किया गया है, जो श्रद्धालुओं और शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।



भिलाई। समिति का प्रयास है कि 50वें वर्ष का यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ बंगाली संस्कृति और परंपराओं की भी झलक प्रस्तुत करे। दुर्गोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।

इससे श्रद्धालुओं को मां दुर्गा की आराधना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। स्वर्ण जयंती वर्ष होने के कारण इस बार वैशालीनगर कालीबाड़ी में विशेष उत्साह है। भव्य पंडाल, आकर्षक सजावट और धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के बीच आज से दुर्गोत्सव की रौनक देखने को मिलेगी। वहीं शहर के हुडको कालीबाड़ी, हाऊसिंग बोर्ड कालीबाड़ी सहित अन्य पूजा पंडालों को भी आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है।

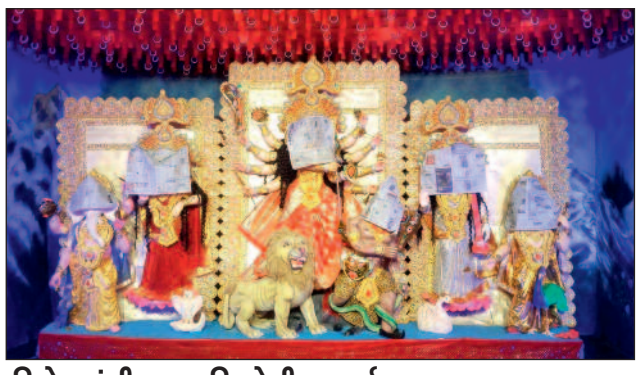

विशेष संगीत प्रस्तुति होगी आकर्षण

19 अक्टूबर को अष्टमी के अवसर पर नागपुर के स्पर्श ब्लाइंड म्यूजिकल ग्रुप द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। एक शाम मां के नाम थीम पर आयोजित यह कार्यक्रम रात 8 बजे से होगा। 20 अक्टूबर को नवमी के अवसर पर संस्था का युवा समूह सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा। 21 अक्टूबर तक चलने वाले दुर्गोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।



हुडको कालीबाड़ी में मां दुर्गा की आराधना

भिलाई। रबिन्द्र निकेतन कालीबाड़ी हुडको द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शारदीय दुर्गोत्सव धूमधाम और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। आयोजन का यह 40वां वर्ष है। संस्था की ओर से दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा और काली पूजा सहित वर्षभर के प्रमुख धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई है। दुर्गोत्सव के दौरान मां दुर्गा की आराधना, पुष्पांजलि, भोग वितरण, आरती और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालु शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 16 अक्टूबर को षष्ठी पूजा के साथ दुर्गोत्सव की शुरुआत होगी। इस दिन सुबह पूजा, पुष्पांजलि और देवी बोधन, आमंत्रण एवं अधिवास आरती के अनुष्ठान होंगे। 17 अक्टूबर को सप्तमी पूजा के अवसर पर नवपत्रिका प्रवेश, पुष्पांजलि, भोग और प्रसाद वितरण किया जाएगा। 18 अक्टूबर को सप्तमी के विशेष पूजा अनुष्ठान निर्धारित हैं। वहीं, 19 अक्टूबर को महाष्टमी पर पूजा, पुष्पांजलि, भोग, संधि पूजा और संध्या आरती का आयोजन होगा। 20 अक्टूबर को महानवमी पूजा के साथ हवन, भोग एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। 21 अक्टूबर को दशमी पूजा, पुष्पांजलि, अपराजिता पूजा, सिंदूर दान और प्रतिमा विसर्जन के कार्यक्रम होंगे। रबिन्द्र निकेतन कालीबाड़ी, हुडको का यह 40वां दुर्गोत्सव क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संस्था की ओर से श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों से सभी धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने की अपील की गई है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रौनक

दुर्गोत्सव के अवसर पर 16 से 21 अक्टूबर तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन में बच्चों की नृत्य प्रस्तुतियों, संगीत संध्या और युवाओं के कार्यक्रमों के साथ मां दुर्गा की आराधना और सांस्कृतिक परंपराओं का संगम देखने को मिलेगा। आयोजन की शुरुआत 16 अक्टूबर को षष्ठी के दिन बच्चों के पुरस्कार वितरण और नृत्य कार्यक्रम से होगी। यह कार्यक्रम शाम 7.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। 17 अक्टूबर को सप्तमी के अवसर पर हुडको के सुरसप्तक समूह द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। यह कार्यक्रम रात 8 बजे से शुरू होगा। 18 अक्टूबर को संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पंडित उल्लास, देबब्रत, सुमीता सरकार और मौ दत्ता अपनी प्रस्तुतियां देंगे। संगीत संध्या रात 8 बजे से होगी। दुर्गोत्सव के बाद 25 अक्टूबर को कोजागरी लक्ष्मी पूजा आयोजित की जाएगी। इसके बाद 8 नवंबर को दीपावली के अवसर पर काली पूजा, हवन, आरती, पुष्पांजलि और प्रसाद वितरण होगा। संस्था के कार्यक्रम में 17 नवंबर को कार्तिक पूजा, 18 नवंबर को जगद्धात्री पूजा तथा 11 फरवरी 2027 को बसंत पंचमी के आयोजन भी शामिल हैं।

श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस में कार्यक्रम

क्वालिटी के साथ सुरक्षा पर जोर, 40 से अधिक संस्थानों की 222 टीमों ने लिया हिस्सा

भिलाई। क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर की ओर से श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस के मुख्य सभागार में 17वें चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कन्वेंशन में देश के 40 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थानों की 222 टीमों ने भाग लिया। इस वर्ष आयोजन में गुणवत्ता के साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा मजबूत करने और एकीकृत सुरक्षा सर्कल की अवधारणा पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को गोल्ड और सिल्वर अवार्ड प्रदान किए गए। शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री गंगाजली एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन एवं एसएसपी यूनिवर्सिटी के चांसलर आई.पी. मिश्रा को विजनरी एजुकेशन लीडर अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें बीएसपी के कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, क्यूसीएफआई के कार्यपालक निदेशक डी.के. श्रीवास्तव और निदेशक जी.पी. सिंह ने शाल, श्रीफल और सम्मान चिह्न प्रदान किया। सभागार में उपस्थित लोगों ने खड़े होकर उनका अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि राकेश कुमार ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सुरक्षा के बिना गुणवत्ता की कल्पना नहीं की जा सकती। सुरक्षित कार्य व्यवहार ही बेहतर गुणवत्ता को बढ़ावा देता है। उन्होंने सफलता के लिए निरंतर प्रयास और समर्पण का संदेश दिया। आई.पी. मिश्रा ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में गुणवत्ता और सुरक्षा की अवधारणाओं को अपनाना अनिवार्य है। एकीकृत सुरक्षा सर्कल की पहल औद्योगिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण साबित होगी। कन्वेंशन में सेल-बीएसपी, दुर्गापुर स्टील प्लांट, राउरकेला



स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, हिंडाल्को, नाल्को, उत्कल एल्युमिना, बाल्को और एनटीपीसी सहित विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की टीमों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण सत्रों में दुर्गापुर स्टील प्लांट के कार्यपालक निदेशक सौम्य टोकदार, जेएसडब्ल्यू रायगढ़ के यूनिट हेड परेश शाह, सेफी चेयरमैन एनके बंछोर, एपीएल अपोलो के सीईओ ब्रजेश नाहर, सारड़ा एनर्जी के यूनिट हेड मनोज शाह, जायसवाल निको के मानव संसाधन अध्यक्ष आलोक पांडे और उद्योग विशेषज्ञ विवेक अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्यवान नायक ने किया तथा आभार वी.के. चौधरी और अनिल मिश्रा ने व्यक्त किया। आयोजन में क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर के सचिव जी.पी. सिंह के नेतृत्व में वी.के. चौधरी, सत्यवान नायक, डॉ. सिद्धार्थ चौबे, डॉ. आभा चौबे, सुनील त्रिवेदी, जनार्दन राव, पंकज पाठक, सुनील देशमुख, अनिल कुमार मिश्रा, गणेश गोस्वामी, डी.के. कोल्हे, गंगाधर मोरे, विवेकानंद सूर, एस.के. नागदेवे, प्रकाश स्वाईं, के.एस. तोमर और चेतन खोबरागड़े का योगदान रहा।

27 वक्ताओं को पछाड़कर डॉ. शीतल ने हासिल किया प्रथम स्थान



भिलाई। राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित नगर स्तरीय राजभाषा पखवाड़े व साहित्यिक प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में तात्कालिक भाषण प्रतिस्पर्धा का आयोजन इस्पात भवन में संपन्न हुआ। कड़े मुकाबले और वैचारिक अभिव्यक्ति के इस मंच पर शिक्षा विभाग बीएसपी के डॉ. शीतल चंद्र शर्मा ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में नगर एवं संयंत्र के विभिन्न विभागों से आए लगभग 27 प्रतिभावान प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. शर्मा ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रभक्ति, नागरिक कर्तव्य और देश प्रेम के भावों को अत्यंत सरल, रोचक, धाराप्रवाह शैली में प्रस्तुत किया। उनकी तर्कपूर्ण प्रस्तुति और भाषा पर अद्भुत पकड़ ने निर्णायकों के साथ-साथ उपस्थित श्रोताओं को भी मंत्रमुग्ध कर दिया।

उपलब्धियों से भरा साहित्यिक सफर

डॉ. शीतल चंद्र शर्मा केवल तात्कालिक भाषण में ही नहीं, बल्कि विभिन्न साहित्यिक एवं बौद्धिक विधाओं में निरंतर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते रहे हैं। इससे पूर्व भी वे नगर राजभाषा विभाग और अन्य प्रतिष्ठित मंचों पर तात्कालिक भाषण, निबंध लेखन, वाद-विवाद, तात्कालिक कविता लेखन तथा 'चित्र देखो-कहानी लिखो' जैसी प्रतियोगिताओं में अनेक बार शीर्ष स्थान प्राप्त कर चुके हैं। साहित्यिक मंचों के साथ-साथ डॉ. शर्मा शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। उन्होंने देश की सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक राजधानियों जैसे दिल्ली, उज्जैन और बनारस में आयोजित संस्कृत एवं हिंदी भाषा के राष्ट्रीय सेमिनार में बीएसपी का प्रतिनिधित्व किया है। इसके अतिरिक्त, एक मंच कवि के रूप में भी वे विभिन्न प्रतिष्ठित कवि सम्मेलनों में आमंत्रित किए जाते रहे हैं।

नवरात्रि पर ब्रह्माकुमारी संस्था की पहल

विशेष बच्चों के भीतर आत्मविश्वास और खुशियों की ज्योति जगाई, खेल-खेल में सिखाए जीवन-मूल्य, कराया राजयोग ध्यान

कार्नर न्यूज

दुर्ग। नवरात्रि में शक्ति की आराधना के बीच प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, दुर्ग ने विशेष बच्चों के भीतर आत्मविश्वास और सकारात्मकता जगाने की विशेष पहल की। बघेरा स्थित आनंद सरोवर में ब्राइट मंदबुद्धि विद्यालय के 40 बच्चों और 10 शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में खेल-खेल में जीवन-मूल्य सिखाए गए, प्रेरक कहानियों के माध्यम से सकारात्मक सोच का संदेश दिया गया और राजयोग ध्यान कराया गया। ब्रह्माकुमारी संस्था की दुर्ग संचालिका रीटा दीदी, चैतन्य प्रभा दीदी और खुशबू दीदी ने बच्चों को उनकी आंतरिक शक्तियों और गुणों को पहचानने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम बच्चों को खुशियों और आत्मविश्वास से जोड़ने के साथ उनके साथ काम करने वाले शिक्षकों को भी मानसिक शांति एवं आत्मिक शक्ति प्रदान करने के लिए किया गया था।



बच्चों के साथ शिक्षकों का सशक्त होना भी जरूरी

ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने कहा कि विशेष बच्चों की देखभाल और उन्हें सिखाने के लिए धैर्य, सहनशीलता और भावनात्मक मजबूती की आवश्यकता होती है। माता-पिता के साथ ही शिक्षकों का समर्पण भी महत्वपूर्ण है, जो प्रतिदिन बच्चों को सिखाने और उनकी क्षमताओं को निखारने में जुटे रहते हैं। ऐसे में शिक्षकों को भी मानसिक शांति और सकारात्मक दृष्टिकोण की जरूरत है। इसी भावना से बच्चों के साथ शिक्षकों को भी कार्यक्रम में शामिल किया गया।

आत्मशक्ति पहचानने का दिया संदेश

चैतन्य प्रभा दीदी ने बच्चों को समझाया कि शारीरिक क्षमताओं में अंतर होने के बावजूद प्रत्येक व्यक्ति के भीतर विशेष गुण और संभावनाएं होती हैं। स्वयं को किसी कमी के आधार पर कम नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने प्रेरक कहानी के माध्यम से परिस्थितियों में सकारात्मक पक्ष खोजने और प्रतिदिन कम से कम तीन मिनट राजयोग ध्यान करने की प्रेरणा दी। इससे मन को शांति मिलती है और विचारों में सकारात्मकता आती है।

खेल-खेल में सिखाए जीवन-मूल्य



खुशबू दीदी ने रोचक खेलों और सरल उदाहरणों के माध्यम से बताया कि व्यक्ति की पहचान बाहरी सुंदरता या शारीरिक बनावट से नहीं, बल्कि उसके गुणों और व्यवहार से होती है। उन्होंने बच्चों को छोटी-छोटी कठिनाइयों से निराश न होने, अपनी योग्यताओं को पहचानने और आंतरिक खुशी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका गायत्री सोनी ने सांकेतिक भाषा के माध्यम से बच्चों तक संदेश पहुंचाने में सहयोग किया। वर्ष 1999 से दुर्ग में संचालित ब्राइट मंदबुद्धि विद्यालय विशेष बच्चों की शिक्षा और विकास के लिए कार्य कर रहा है। सुबह 11.30 से दोपहर 1 बजे तक चले आयोजन में ध्यान, आध्यात्मिक ज्ञान और मूल्यपरक गतिविधियां हुईं। समापन पर बच्चों और शिक्षकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस शिविर के माध्यम से बताया गया कि विशेष बच्चों को दया नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व और आगे बढ़ने के अवसर चाहिए। उनकी क्षमताओं को पहचानकर प्रोत्साहित करना और उनके विकास में सहयोग देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हेल्थ टिप्स

नारायणपुर ने सरगुजा को 4 रनों से हराया, हर्ष ने बनाए 54 रन



भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा कवर्धा में आयोजित अंडर-19 प्लेट ग्रुप एकदिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को नारायणपुर और सरगुजा के बीच मुकाबला हुआ। इस रोमांचक मैच को नारायणपुर की टीम ने 4 रनों से जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नारायणपुर की टीम 137 रनों पर ऑल आउट हो गई, जिसमें हर्ष सरकार ने 54 रन और यश यदु ने 14 रनों का योगदान दिया। सरगुजा की ओर से गेंदबाजी करते हुए ईशान सोनी ने 5 और लक्ष्य साहू ने 3 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरगुजा की टीम 133 रनों पर सिमट गई। सरगुजा की तरफ से ईशान चौधरी ने नाबाद 40 रन, त्रंबकेश्वर प्रताप सिंह ने 39 रन और नईमुला चिश्ती ने 26 रन बनाए। नारायणपुर के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें नमन सिंह ने 4 तथा यश यदु और तन्मय वरडा ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

अंतर महाविद्यालय टेनिस में हुए रोमांचक मुकाबले



रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय की मेजबानी में अंतर महाविद्यालय टेनिस प्रतियोगिता वीआईपी क्लब में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस स्पर्धा में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 20 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। आयोजन सचिव एवं क्रीड़ा अधिकारी रूपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि चयनकर्ता के तौर पर संजय शुक्ला (सहायक संचालक डीपीआई) और डॉ. रिंकू पांडे उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति में विश्वविद्यालय की टेनिस टीम का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों की सूची में लड़कों की ओर से यशार्थ चड्ढा, पीयूष सिंह और वलय गोवर्धन (सभी पंडित हरिशंकर महाविद्यालय, रायपुर), खीरमन तांडी (शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय) तथा मोनेश यादव (आदर्श कॉलेज, मंडी, रायपुर) शामिल हैं, जबकि स्टैंडबाय के रूप में जसवेद शर्मा (शंकराचार्य महाविद्यालय, रायपुर) को रखा गया है। लड़कियों की टीम में जीतेश्वरी साहू, उर्वशी बंजारे और दिनेश्वरी तांडी (सभी शासकीय दूधाधारी महिला महाविद्यालय, रायपुर) तथा पूर्णिमा फरीकार (गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर) का चयन किया गया है। प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका लुकेश नेताम, रोहन मंडल, अमन ध्रुव और विशाल निषाद ने निभाई। इस अवसर पर दूधाधारी महिला महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. कार्मिष्ठ शम्भरकर और हरिशंकर महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी राजेश जंघेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल में राजनादगांव रहा विजेता, रायपुर बना उपविजेता



रायपुर। राजनादगांव सेक्टर की टीम ने तिल्दा के दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय पुरुष वॉलीबॉल प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए रायपुर सेक्टर को शिकस्त दी और विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली, जबकि रायपुर सेक्टर इस प्रतियोगिता का उपविजेता रहा। इस रोमांचक और कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा रहे, जिन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को शील्ड, पदक और नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उपस्थित जनसमूह और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि खेल केवल हार और जीत का पर्याय नहीं है, बल्कि यह आपसी भाईचारे, अनुशासन और शारीरिक व मानसिक विकास का एक सशक्त माध्यम है। समापन समारोह के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे थे।

न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए इन डिटॉक्स टिप्स से शरीर को करें रीसेट।

त्योहारों-पार्टियों के तला-भुना खाने से पेट में बन रही है भयंकर गैस, इन आसान डिटॉक्स उपायों से पाएं तुरंत राहत

शादियों, सगाई समारोहों और देर रात तक चलने वाली कॉकटेल पार्टियों का सीजन शुरू होते ही हमारी खान-पान की दिनचर्या पूरी तरह बदल जाती है। पार्टियों में सजने वाले बुफे, तली-भुनी स्टार्टर्स, रिच ग्रेवी वाले पकवान और लजीज मिठाइयां हर किसी का ध्यान खींच लेती हैं। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ एन्जॉय करते वक्त हम अक्सर अपनी भूख से ज्यादा और असमय खाना खा लेते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि अगली सुबह पेट में भयंकर गैस, जलन, ब्लोटिंग (पेट फूलना) और असहज भारीपन महसूस होने लगता है।

स्वाद-स्वाद में खाया गया यह हैवी फूड हमारे पाचन तंत्र को सुस्त बना देता है। अगर आप भी पार्टी सीजन के दौरान पेट की इस समस्या से परेशान हैं, तो घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू और प्राकृतिक डिटॉक्स उपायों को अपनाकर आप अपने शरीर को तुरंत रीसेट कर सकते हैं और मिनटों में हल्का व ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं।

विशेषज्ञ की राय और डिटॉक्स के मूलभूत नियम

ग्लोबल पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन (यूके) में एमएससी और नेशनल डायबिटीज एजुकेटर न्यूट्रिशनिस्ट दीपशिखा जैन के अनुसार, पार्टियों और शादियों के



बाद पेट की इन समस्याओं से निपटने के बेहद सरल और असरदार तरीके मौजूद हैं। उनका कहना है कि लेट-नाइट पार्टियों के बाद शरीर में पानी का सही संतुलन बनाए रखना, पोटैशियम से भरपूर चीजें खाना और हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधि करना सबसे ज्यादा जरूरी है।

शादियों और पार्टियों के उत्साह में लोग अक्सर पर्याप्त पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है और 'वाटर रिटेंशन' की वजह से पेट फूला हुआ लगने लगता है। इस ब्लोटिंग को कम करने के लिए सादे पानी के अलावा बिना चीनी का नींबू पानी, खीरा और पुदीने का डिटॉक्स वाटर या ताजा नारियल पानी पीना चाहिए। ये सभी पेय फ्लशिंग एजेंट की तरह काम करते हैं जो शरीर से एक्स्ट्रा सोडियम और जमा हुए टॉक्सिन्स (विषाक्त पदार्थों) को बाहर निकालकर पाचन तंत्र को दुरुस्त करते हैं और कब्ज की शिकायत दूर करते हैं।



सोडियम संतुलन और शारीरिक गतिविधि का महत्व

शादियों के मसालेदार भोजन और जंक फूड के कारण शरीर में सोडियम और पोटैशियम का संतुलन बिगड़ जाता है, जो ब्लोटिंग और पेट गैस की मुख्य वजह है। इसे संतुलित करने के लिए अपनी डाइट में एवोकाडो जैसे पोटैशियम से भरपूर फूड्स शामिल करने चाहिए। यह मिनरल कोशिकाओं के भीतर फ्लुइड को बैलेंस करके सोडियम के हानिकारक प्रभाव को बेअसर करता है, जिससे गैस से तुरंत राहत मिलती है और शरीर में हल्कापन महसूस होता है।

इसके अलावा, पार्टी में भारी खाना खाने के तुरंत बाद सो जाना या लेटे रहना सबसे बड़ी भूल है। भोजन के बाद तुरंत जिम जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि केवल 20 से 30 मिनट की हल्की वॉक, हल्की स्ट्रेचिंग या सरल योगासन करने से ही आंतों में फंसी हुई एक्स्ट्रा गैस बाहर निकल जाती है। इससे



पाचन प्रक्रिया तेज होती है, मेटाबॉलिज्म सुधरता है और पार्टी के दौरान ली गई एक्स्ट्रा कैलोरी भी आसानी से बर्न हो जाती है।

गैस बनने के कारण और त्वरित राहत के अचूक उपाय

शादियों और पार्टियों में पेट में गैस बनने की मुख्य वजह यह है कि हमारा कमजोर पाचन तंत्र भारी और मसालेदार खाने को समय पर पचा नहीं पाता। इसके अलावा, पार्टियों में गपशप करते हुए या जल्दी-जल्दी खाने से हवा भी पेट के भीतर चली जाती है जो गैस का रूप ले लेती है। इससे बचने के लिए खाना हमेशा धीरे-धीरे और खूब चबाकर खाएं। अगर पार्टी के बाद अचानक पेट में तेज गैस या भारीपन महसूस हो, तो तुरंत हल्का गुनगुना पानी पिएं, जिससे गैस बाहर निकलने में मदद मिलती है।

नेशनल खेलने आए केरल के खिलाड़ी की हड्डी टूटी, त्वरित उपचार मिलने से खेल बिरादरी गदगद



भिलाई। बीएसपी बॉल बैडमिंटन क्लब एवं छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन एसोसिएशन ने केरल से आए सब-जूनियर खिलाड़ी विनय कृष्णा को हादसे में घायल होने के बाद मिली त्वरित चिकित्सा के प्रति खुशी जाहिर की है। खेल संगठनों ने जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-9 में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय धाबर्डे तथा समस्त चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल बॉल बैडमिंटन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने आए केरल के खिलाड़ी विनय कृष्णा के साथ 7 अक्टूबर को हादसा हो गया था। जिसमें ई-रिक्शा से खेल मैदान जाते समय टाउनशिप में एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी। ई-रिक्शा पलटने से खिलाड़ी के जांघ की हड्डी टूट गई थी। इसके बाद खिलाड़ी को सेक्टर 9 हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बाहरी खिलाड़ी की मदद के लिए एसोसिएशन के खेल संघ के पदाधिकारियों ने अस्पताल प्रबंधन से सहयोग मांगा था, जिसके बाद खिलाड़ी को त्वरित व निःशुल्क उपचार मिला। उपचार के बाद खिलाड़ी अब अपने घर लौट गया है। बीएसपी बॉल बैडमिंटन क्लब एवं छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन एसोसिएशन ने भिलाई इस्पात संयंत्र उच्च प्रबंधन, खेल विभाग, नगर सेवाएं विभाग, एलएंडए विभाग, खेल संस्कृति नागरिक सुविधाएं विभाग, सेक्टर-9 अस्पताल के प्रभारी डॉ. उदय धावर्डे तथा समस्त चिकित्सा कर्मियों के प्रति आभार जताया है।

गलती से ओवर फ्राई हुए खाने को बेहतरीन तरीके से करें इस्तेमाल

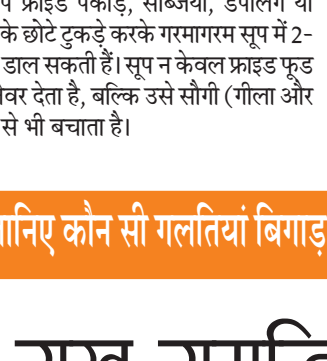

यदि खाना बनाते समय कोई चीज गलती से ज्यादा (ओवर फ्राई) हो जाती है, तो कोई भी उसे खाना पसंद नहीं करता। लेकिन कुछ आसान ट्रिक्स और कुकिंग टिप्स को अपनाकर आप खराब या कड़े हो चुके उस ओवर फ्राइड फूड को फिर से एकदम परफेक्ट और टेस्टी बना सकती हैं।

हल्की स्टीम (भाप) दें

अगर फूलगोभी, भिंडी, डंपलिंग, कटलेट्स या पनीर के क्यूब्स ज्यादा फ्राई हो गए हैं, तो उन्हें थोड़ा स्टीम करें। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि खाने का क्रंच बना रहे। ओवर फ्राई होने पर खाना अंदर से सूखा और कड़ा हो जाता है, ऐसे में हल्की स्टीमिंग से वह फिर से सॉफ्ट और स्वादिष्ट हो जाता है। इसके लिए एक पैन में 1-2 कप पानी उबालें, ऊपर स्टीमिंग रैक या छलनी रखें और ढक्कन लगाकर 1-2 मिनट तक भाप दें। चाहें तो स्टीम करने से पहले हल्का नमक, काली मिर्च या हर्ब्स छिड़क लें, जिससे स्वाद और बढ़ जाएगा।

स्वादिष्ट सूप में करें शामिल

ज्यादा तले हुए भोजन को दोबारा खाने योग्य बनाने का एक बेहतरीन तरीका यह है कि उसे सूप में शामिल कर लिया जाए। आप फ्राइड पकौड़े, सब्जियां, डंपलिंग या कटलेट्स आदि के छोटे टुकड़े करके गरमागरम सूप में 2-3 मिनट के लिए डाल सकती हैं। सूप न केवल फ्राइड फूड को बेहतरीन फ्लेवर देता है, बल्कि उसे सौगी (गीला और चिपचिपा) होने से भी बचाता है।



हॉकी और ताइक्वांडो में हुए रोचक मुकाबले

रायपुर। रायपुर में 26वीं राज्य शालेय खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत हो चुकी है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के पांचों संभागों से 14, 17 और 19 वर्ष आयु समूह के बालक-बालिकाएं अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत कल से हॉकी और ताइक्वांडो की स्पर्धाएं शुरू हो चुकी हैं। इसके अलावा आज से साइकिलिंग और रोलर स्केटिंग की स्पर्धाएं भी शुरू की जा रही हैं।

- रायपुर में 26वीं राज्य शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज

रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता 11, 14, 17 और 19 वर्ष आयु समूह में आयोजित की जाएगी, जिसमें खिलाड़ियों को 1 लैप, 500 मीटर, 1 किलोमीटर, 1500 मीटर और 3 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी। इसमें प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, साइकिलिंग प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों



को मास स्टार्ट स्पर्धा में 1 मिनट के अंतराल पर स्टार्टिंग पॉइंट से छोड़ा जाएगा, जिसके लिए दूरी क्रमशः 10, 15 और 25 किलोमीटर निर्धारित की गई है। टाइम ट्रायल स्पर्धा में यह दूरी 6 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 15 किलोमीटर होगी। साइकिलिंग प्रतियोगिता नया रायपुर में सुबह 8 बजे शुरू कर दी जाएगी।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता के परिणाम

गुरुवार को संपन्न हुई ताइक्वांडो प्रतियोगिता के परिणामों के अनुसार, बालक 19 वर्ष आयु वर्ग में 48 किलोग्राम भार वर्ग में रायपुर के शिवम प्रथम और सरगुजा के बलराम सारथी द्वितीय स्थान पर रहे। 51 किलोग्राम भार वर्ग में रायपुर के साहिल प्रथम, सरगुजा के कार्तिक द्वितीय और बस्तर के सुमित तृतीय स्थान पर रहे। 55 किलोग्राम भार वर्ग में रायपुर के निखिल प्रथम, बिलासपुर के मानक द्वितीय और सरगुजा के कुणाल तृतीय रहे।

59 किलोग्राम भार वर्ग में दुर्ग के देवराज प्रथम, सरगुजा के आदर्श द्वितीय और बिलासपुर के आयुष तृतीय स्थान पर रहे। 63 किलोग्राम भार वर्ग में बिलासपुर के आर्यन प्रथम, रायपुर के चंदन द्वितीय और दुर्ग के गजेंद्र तृतीय स्थान पर रहे। 68 किलोग्राम भार वर्ग में सरगुजा के सुजल प्रथम और बिलासपुर के किशन द्वितीय रहे। 73 किलोग्राम भार वर्ग में दुर्ग के वेदान साहू प्रथम, बिलासपुर के रौनक द्वितीय और बस्तर के किशोर मरकाम तृतीय रहे। 78 किलोग्राम भार वर्ग में दुर्ग के प्रिंस प्रथम, रायपुर के सतीश द्वितीय और बिलासपुर के मूलचंद तृतीय रहे। 78 किलोग्राम से अधिक वजन वर्ग में रायपुर के निहाल प्रथम, दुर्ग के सृजन द्वितीय और बस्तर के उज्जवल तृतीय स्थान पर रहे।

हॉकी में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

हॉकी प्रतियोगिता के अंतर्गत बालक 14 आयु वर्ग के परिणामों में पहला मुकाबला बिलासपुर और सरगुजा के बीच हुआ, जिसमें सरगुजा ने बिलासपुर को 2-0 से हरा दिया। एक अन्य मुकाबले में बस्तर ने रायपुर को 2-1 से हराया। दुर्ग और बिलासपुर के बीच हुए मैच में दुर्ग ने 3-0 से विजय प्राप्त की।



कार्नर न्यूज

सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश से दूर होगी आर्थिक तंगी, जानिए कौन सी गलतियां बिगाड़ सकती हैं आपके घर की शांति

घर में चाहते हैं अपार सुख-समृद्धि और तरक्की तो आज ही आजमाएं वास्तु शास्त्र के अचूक उपाय

भारतीय संस्कृति में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। आमतौर पर लोग अपने सपनों के घर का निर्माण वास्तु के नियमों के अनुसार ही करवाते हैं और घर के भीतर रखी जाने वाली हर वस्तु का स्थान भी वास्तु के हिसाब से तय करते हैं। ऐसी धार्मिक और पारंपरिक मान्यता है कि यदि वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों की अनदेखी की जाए, तो घर में बेवजह के गृह-क्लेश, मानसिक तनाव और गंभीर आर्थिक तंगी बनी रहती है। हमारे आसपास मौजूद हर छोटी-बड़ी वस्तु हमारे जीवन, सोच और भाग्य पर सीधा प्रभाव डालती है।

कई बार हम अनजाने में कुछ ऐसी नकारात्मक चीजों की खरीदारी कर लेते हैं या उन्हें गलत जगह रख देते हैं, जिन्हें वास्तु में बेहद अशुभ माना गया है। यह अज्ञानता हमारी तरक्की के रास्तों में रोड़ा अटका सकती है। इसलिए जरूरी है कि घर के माहौल को सकारात्मक बनाने के लिए सही नियमों का पालन किया जाए। आइए विस्तार से जानते हैं वास्तु के उन आसान और असरदार उपायों के बारे में, जिन्हें अपनाने से जीवन में सफलता और सुख-शांति के नए द्वार खुलते हैं



घर में पवित्र तुलसी का पौधा लगाने से आएगी खुशहाली

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के आंगन या बालकनी में हरे-भरे पेड़-पौधे लगाना बेहद शुभ और फलदायी माना जाता है। इनमें तुलसी का स्थान सर्वोपरि है। वास्तु के मुताबिक हर घर में तुलसी का पौधा अवश्य होना चाहिए। माना जाता है कि जिस घर में प्रतिदिन तुलसी की देखभाल और पूजा होती है, वहां सदैव खुशहाली, सुख और समृद्धि का वास रहता है।

संध्या समय जलाएं देसी घी का दीपक और कपूर

वास्तु शास्त्र की सलाह के अनुसार, हर गृहस्थ को अपने घर या दुकान के पूजा स्थल पर नियमित रूप से सुबह-शाम शुद्ध देसी घी का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए। इसके साथ ही शाम की आरती के दौरान कपूर जलाकर पूरे घर में उसका धुआं दिखाना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा तुरंत नष्ट होती है और वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार तेजी से बढ़ने लगता है।

मुख्य द्वार पर भूलकर भी न रखें झाड़ू

धार्मिक और वास्तु मान्यताओं के अनुसार, झाड़ू को धन की देवी मां लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। इसलिए कभी भी घर के मुख्य द्वार पर या उसके ठीक आसपास झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं और घर में दरिद्रता, अशांति तथा बेवजह की कलह बढ़ने



लगती है।

रसोई घर में रात को न छोड़ें जूठे बर्तन

आधुनिक जीवनशैली में कई लोग आलस्य के कारण रात के जूठे बर्तन सिंक में ही छोड़ देते हैं। वास्तु शास्त्र में इसे बहुत बड़ा दोष माना गया है। ऐसा करने से घर में कंगाली और बीमारियां घर करने लगती हैं। पौराणिक मान्यता है कि रात में किचन में जूठे बर्तन छोड़ने से पितर नाराज हो जाते हैं, जिससे पूरे परिवार का सुख-चैन और शांति समाप्त हो जाती है।

बेडरूम में जूते-चप्पल ले जाने से बचें

अक्सर देखने में आता है कि लोग बाहर से आकर सीधे अपने बेडरूम तक जूते-चप्पल पहनकर चले जाते हैं या उन्हें पलंग के पास उतार देते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह आदत बेहद नुकसानदायक है। जूते-चप्पल हमेशा घर के मुख्य द्वार से बाहर या एक निश्चित और साफ-सुथरे स्थान पर ही व्यवस्थित ढंग से उतारने चाहिए। इससे घर में शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा का निर्बाध प्रवेश होता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

स्पाई थ्रिलर 'जोडियाक' जल्द होगी शुरू रिलीज के लिए दो साल का इंतजार

मार्वल ने अपनी आगामी स्पाई थ्रिलर सीरीज 'जोडियाक' का नया लोगो जारी कर दिया है। मेकर्स ने इस बात की भी घोषणा कर दी है कि इस बहुप्रतीक्षित सीरीज का प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है। मार्वल स्टूडियोज की आगामी स्पाई थ्रिलर सीरीज जोडिएक से आधिकारिक रूप से वर्ष 2028 में रिलीज होने के लिए तय की गई है और इसे विशेष रूप से डिज़्नी प्लस पर स्ट्रीम किया जाएगा।



इस सीरीज की आधिकारिक घोषणा मार्वल टेलीविज़न के प्रमुख ब्रैड विंडरबॉम द्वारा न्यू यॉर्क कॉमिक कॉन के दौरान की गई थी। इसके साथ ही निर्माताओं ने इसके टाइटल का नया लोगो भी जारी कर दिया है, जिसे लेकर मार्वल का कहना है कि कॉमिक बुक के शौकीन दर्शक इस लोगो के डिजाइन में छिपे संकेतों से यह अंदाजा लगा सकते हैं कि सीरीज की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी। इस सीरीज के निर्माण और शूटिंग से जुड़े अपडेट्स के अनुसार, इसकी शूटिंग वर्ष 2027 के वसंत ऋतु में लंदन में शुरू होगी। निर्माताओं के मुताबिक, आने वाले कुछ हफ्तों के भीतर ही कलाकारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, हालांकि अभी तक मुख्य कलाकारों के नामों को गोपनीय रखा गया है। मार्वल कॉमिक्स की दुनिया में जोडिएक एक कुख्यात आपराधिक संगठन रहा है। कॉमिक्स में इस संगठन के सदस्य बारह राशि चिन्हों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दुनिया पर नियंत्रण पाने के लिए आधुनिक तकनीक व विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। मार्वल के इस नए प्रोजेक्ट को एक वैश्विक जासूसी थ्रिलर बताया गया है, ऐसे में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में इस खतरनाक संगठन को किस नए रूप में पेश किया जाएगा।

टॉलीवुड

ऋषभ और चिदंबरम का नया प्रोजेक्ट कन्नड स्पोर्ट्स ड्रामा आएगा परदे पर

'कांतारा' फेम स्टार ऋषभ शेट्टी ने 'मंजुमेल बॉय्स' के निर्देशक चिदंबरम के साथ हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जोड़ी दो फिल्मों के लिए साथ आ रही है।इन दोनों की इस साझेदारी में बनने वाली पहली फिल्म एक कन्नड़ स्पोर्ट्स ड्रामा होगी, जो खेल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। वर्तमान में इस फिल्म का निर्माण पूर्व तैयारी यानी प्री-प्रोडक्शन के चरण में है और यह तय किया गया है कि अगले साल यानी वर्ष 2027 की शुरुआत में यह फिल्म फ्लोर पर यानी शूटिंग के लिए चली जाएगी। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट का निर्माण प्रसिद्ध निर्माता शिबु तमीन्स द्वारा किया जा रहा है। हालांकि, इस पहली फिल्म की स्टारकास्ट, कहानी और अन्य तकनीकी सहयोगियों से जुड़ी आधिकारिक घोषणा निर्माताओं द्वारा आने वाले दिनों में की जाएगी। 'कांतारा' जैसी ऐतिहासिक सफलता के बाद ऋषभ शेट्टी का किसी स्पोर्ट्स ड्रामा शैली में काम करना और निर्देशक चिदंबरम के साथ जुड़ना सिनेप्रेमियों के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव साबित होने की उम्मीद है।

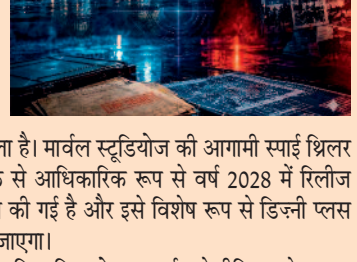

भोजपुरी

'लागल बा आसरा छठी मैया का' का पोस्टर लॉन्च, आस्था के साथ मनोरंजन का वादा

नई भोजपुरी फिल्म 'लागल बा आसरा छठी मैया का' का आधिकारिक पोस्टर हाल ही में लॉन्च किया गया। निर्माता-निर्देशक विजय कुमार के अनुसार, इस फिल्म में लोक आस्था के महापर्व छठ, धार्मिक मान्यताओं और बिहार की सांस्कृतिक परंपराओं को पारिवारिक मनोरंजन के साथ बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा। इस पोस्टर के सामने आने के बाद से ही भोजपुरी दर्शकों और फिल्म प्रेमियों के बीच इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है, और सीवान में आयोजित इस लॉन्च कार्यक्रम के दौरान फिल्म से जुड़े कई प्रमुख लोग भी मौजूद रहे। इस फिल्म के माध्यम से निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य लोक आस्था के महापर्व छठ की पवित्रता, धार्मिक मान्यताओं और बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को बड़े पर्दे पर जीवंत करना है। फिल्म के निर्माता-निर्देशक विजय कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह फिल्म केवल एक धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें बेहतरीन पारिवारिक मनोरंजन, आपसी रिश्तों और सामाजिक ताने-बाने को भी बेहद संवेदनशीलता के साथ पिरोया गया है, जिससे दर्शक सीधे तौर पर जुड़ सकें। पोस्टर लॉन्च के साथ ही फिल्म के निर्माण से जुड़े अगले चरणों और इसकी स्टारकास्ट की घोषणाओं को लेकर भी सुगबुगाहट तेज हो गई है।



निर्माताओं के अनुसार आने वाले दिनों में फिल्म के कलाकारों और अन्य तकनीकी सहयोगियों के नामों से पर्दा उठाया जाएगा। छठ पर्व की पवित्र पृष्ठभूमि पर आधारित होने के कारण यह फिल्म दर्शकों के बीच अपनी माटी की खुशबू बिखेरने और पारिवारिक मूल्यों को मजबूती देने वाली एक विशेष प्रस्तुति साबित होने की उम्मीद है।

काला जादू

मशहूर डिजाइनर फराह खान अली का कलेक्शन भूतपूर्व मिस यूनिवर्स लारा दत्ता भूपति ने एक फैशन शो में रैंप वॉक के साथ प्रदर्शित किया। उन्होंने एक शानदार काले रंग का स्ट्रैपलेस गाउन पहना था, जिसमें मैचिंग ग्लव्स और एक भव्य काली छतरी थी। उनके सुनहरे रंग के हेडगियर और झुमके ने उनके लुक को और भी निखार दिया। उनके पीछे अन्य मॉडलों ने भी काले रंग के आउटफिट्स पहने थे, जो फराह के कलेक्शन 'द ब्लैक मैजिक' को दर्शाते थे। यह शो अंधेरे और सुंदरता के बीच एक अद्भुत संतुलन पेश करता था।



एआई-पावर्ड स्मार्ट मेकअप मिरर्स देंगे आपकी त्वचा को नई पहचान

वर्ष 2026 में ब्यूटी और मेकअप की दुनिया में एआई-पावर्ड स्मार्ट मेकअप मिरर्स एक बहुत बड़ा बदलाव लेकर आए हैं। इन आधुनिक शीशों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित स्कैनिंग तकनीक लगी होती है। यह तकनीक किसी भी पारंपरिक दर्पण की तरह केवल आपका प्रतिबिंब नहीं दिखाती, बल्कि आपके चेहरे की त्वचा की गहराई से निगरानी और विश्लेषण करती है। यह त्वचा की बनावट, रोमछिद्रों, महीन रेखाओं और रंगत का बारीकी से आकलन करती है।

हाइड्रेशन और त्वचा के स्वास्थ्य का विश्लेषण

यह स्मार्ट मिरर केवल बाहरी लुक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके चेहरे की त्वचा के अंदरूनी स्वास्थ्य को भी परखता है। यह स्कैन करके यह पता लगाता है कि आपकी त्वचा में नमी (Hydration) का स्तर कितना है या त्वचा को किस प्रकार के पोषण की आवश्यकता है। इसके जरिए आप यह जान सकते हैं कि आपकी स्किन ड्राई है, ऑयली है या कॉम्बिनेशन, जिससे आपको अपनी त्वचा के अनुकूल मेकअप प्रोडक्ट्स चुनने में मदद मिलती है।

लाइटिंग के अनुसार सटीक समायोजन

मेकअप करते समय सही रोशनी का होना सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है, और यही यह स्मार्ट मिरर बेहद बेहतरीन तरीके से करता है। यह आपके आस-पास के वातावरण या कार्यक्रम के हिसाब से दिन की नेचुरल रोशनी, नाइट पार्टी की डिम लाइट या ऑफिस की तेज एलईडी लाइटिंग को सटीक रूप से सिम्युलेट या रीक्रिएट करता है। इससे



आपको यह बिल्कुल सही अंदाजा हो जाता है कि आपका मेकअप अलग-अलग जगहों पर कैसा नजर आएगा।

सटीक मेकअप शेड और ब्लेंडिंग गाइडेंस

इन तमाम खूबियों के आधार पर यह स्मार्ट मिरर आपको पूरी तरह से पर्सनलाइज्ड गाइडेंस देता है। यह आपके स्किन टोन और लाइटिंग के अनुसार एकदम सटीक फाउंडेशन शेड, लिपस्टिक और आईशैडो का सुझाव देता है। इसके अलावा, यह स्क्रीन पर डिजिटल गाइडलाइन्स के जरिए यह भी बताता है कि ब्लश या कंटूर को चेहरे पर किस एंगल से और कितनी मात्रा में ब्लेंड करना चाहिए, जिससे एक परफेक्ट और फ्लॉलेस लुक मिलता है।

प्रवासी भारतीयों के बीच धूम मचा रहा वैश्विक स्ट्रीटवियर का चलन



आज के समय में वैश्विक स्तर पर रहने वाले भारतीय डायस्पोरा (प्रवासी भारतीयों) के बीच फैशन एक नए और रोमांचक दौर से गुजर रहा है। विदेशी जमीन पर रहते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना और वहाँ के आधुनिक पश्चिमी परिवेश में खुद को ढालना—इन दोनों के बीच का यह खूबसूरत संतुलन आज के युवाओं की जीवनशैली में साफ झलकता है। पारंपरिक कपड़ों और आधुनिक स्ट्रीटवियर का यह मिश्रण न केवल देखने में आकर्षक लगता है, बल्कि यह प्रवासियों के आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गर्व का प्रतीक भी बन चुका है।





स्मार्ट-कैजुअल टेलरिंग और बदलती जीवनशैली

व्यावसायिक कॉरपोरेट बैठकों और सामाजिक उत्सवों के बीच बंटी आधुनिक जीवनशैली ने पुरुषों के पहनावे को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। पारंपरिक और भारी-भरकम फॉर्मल सूट्स का दौर अब पीछे छूट चुका है, और उनकी जगह 'स्मार्ट-कैजुअल टेलरिंग' ने ले ली है। आज लोग ऐसे परिधानों को प्राथमिकता देते हैं जो पहनने में बेहद आरामदायक हों और जिन्हें ऑफिस से निकलने के बाद किसी भी शाम की पार्टी या गेट-टुगेदर में बिना किसी झिझक के पहना जा सके। यह बदलाव सहजता और स्टाइल का एक बेहतरीन उदाहरण है। कभी केवल गर्मियों के महीनों तक सीमित रहने वाला लिनन अब सालभर पहना जाने वाला एक मुख्य फैशन स्टेटमेंट बन गया है। प्रीमियम लिनन से बनी शर्ट्स और ट्राउजर्स में सैंड (रेतीले), क्ले (मिट्टी जैसे), ऑलिव (जैतूनी) और सेज ग्रीन जैसे म्यूटेड अर्थी टोन (शांत और प्राकृतिक रंग) बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के एक 'रिफाइंड रिसॉर्ट-रेडी' और सोबर लुक देने की खूबी के कारण यह फैब्रिक आधुनिक पुरुषों की पहली पसंद बना हुआ है, जिसे विभिन्न सीजन में आसानी से कैरी किया जा सकता है।

जरूरत से ज्यादा मॉइश्चराइजर बन सकता है परेशानी का सबब

अपनी स्किन की जरूरतों के अनुसार आप मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन जब आप जरूरत से ज्यादा मॉइश्चराइजर अप्लाई करते हैं तो इससे आपकी स्किन को कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं। अगर आप अपनी स्किन को हाइड्रेट करने के चक्कर में जरूरत से ज्यादा मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे आपकी स्किन के पोर्स क्लॉग हो सकते हैं।

चूंकि विंटर में हम सभी थिक मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में यह संभावना और भी ज्यादा बढ़ जाती है। अगर आप ऐसे मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसमें कॉमेडोजेनिक इंग्रीडिएंट्स हैं तो ऐसे में आपको ब्रेकआउट्स व अन्य स्किन प्रोब्लम्स हो सकती हैं। आजकल मार्केट में मिलने वाली अच्छी क्वालिटी के ब्रांडेड प्रोडक्ट काफी महंगे होते हैं।

ऐसे में जब आप जरूरत से ज्यादा मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं तो इस तरह आप अपने प्रोडक्ट को ही बर्बाद कर रहे हैं। ऐसे में आपकी जेब पर भी अतिरिक्त जोर पड़ता है। हमेशा ध्यान रखें कि आपकी स्किन केवल एक निश्चित मात्रा तक ही मॉइश्चराइजर को अब्जॉर्ब कर सकती है। अगर आप उससे अधिक मॉइश्चराइजर लगाते हैं तो यह पूरी तरह से वेस्ट हो जाएगा। कई बार हम सोचते हैं कि ठंड में स्किन बहुत अधिक रूखी है तो ऐसे में बहुत अधिक मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे स्किन आसानी से अब्जॉर्ब कर लेगी। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। जब आप बहुत अधिक मॉइश्चराइजर लगाते हैं तो इससे आपकी स्किन अधिक चिकनी व चिपचिपी महसूस हो सकती है।



नवरात्रि में इन आसान तरीकों से हाथों में मेहंदी को दें फेस्टिव लुक

शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व आते ही चारों तरफ भक्ति, उल्लास और उत्सव का माहौल बन जाता है। यह नौ दिनों का पर्व खासतौर पर महिलाओं और युवतियों के लिए बेहद खास होता है, जिसमें वे माता की आराधना के साथ-साथ पारंपरिक परिधान पहनकर सजती-संवरती हैं और हाथों में मेहंदी रचाकर अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाती हैं। हालांकि, यदि व्रत-पूजा, साफ-सफाई और व्यस्त जीवनशैली के चलते अब तक आपको हाथों में मेहंदी रचाने का समय नहीं मिल सका है, तो आपको निराश होने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। आप कुछ झटपट घरेलू तरीकों और आसान टिप्स को अपनाकर अपने हाथों को बेहद सुंदर और आकर्षक त्योहारी लुक दे सकती हैं।

सिर्फ उंगलियों में लगाएं मेहंदी

यदि आपके पास पारंपरिक रूप से पूरे हाथ में मेहंदी डिजाइन लगाने का पर्याप्त समय नहीं है, तो आप सिर्फ अपनी उंगलियों कोरों (पोर) को मेहंदी से सजा सकती हैं। आजकाल ऐसे कई ट्रेंडी और खूबसूरत डिजाइन चलन में हैं जो केवल उंगलियों पर ही लगाए जाते हैं



और देखने में बेहद आकर्षक लगते हैं। यह तरीका कम समय में आपके हाथों को पारंपरिक लुक दे देगा। नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा के शृंगार का विशेष महत्व होता है। यदि आप मेहंदी नहीं लगा पा रही हैं, तो अपने हाथों को त्योहार के मुताबिक सजाने के लिए लाल या हरे रंग की खनकती हुई चूड़ियां पहनें।

कार्नर न्यूज

नवरात्रि फैशन में लॉन्ग जैकेट और स्कर्ट का शाही जलवा

इस नवरात्रि 'लॉन्ग जैकेट विथ स्कर्ट' का छा गया जादू, लुभा रहा गरबा का आकर्षण भी

नवरात्रि के पावन और उल्लासपूर्ण अवसर पर डांडिया और गरबा नाइट्स की चमक देखते ही बनती है। वर्ष 2026 के इस फेस्टिव सीजन में महिलाओं के एथनिक वियर और एथनिक-फ्यूजन फैशन में एक बेहद खास और शाही बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बार भारी-भरकम पारंपरिक पोशाकों के बीच 'लॉन्ग जैकेट विथ स्कर्ट' का कॉम्बिनेशन सबसे बड़े ट्रेंड के रूप में उभरकर सामने आया है। गरबा पांडालों में अपनी उपस्थिति को खास और सबसे अलग बनाने के लिए महिलाएं और युवतियां इस एलिगेंट परिधान को काफी पसंद कर रही हैं। यह स्टाइल न केवल देखने में बेहद भव्य और रीगल लगता है, बल्कि यह पारंपरिक जड़ों से जुड़े रहते हुए एक नया मॉडर्न दृष्टिकोण भी प्रदान करता है।

पारंपरिक कढ़ाई और कच्छी एम्ब्रॉयडरी का अनोखा मेल

इस ट्रेंड की सबसे बड़ी खासियत इसके जैकेट और श्रग में की गई

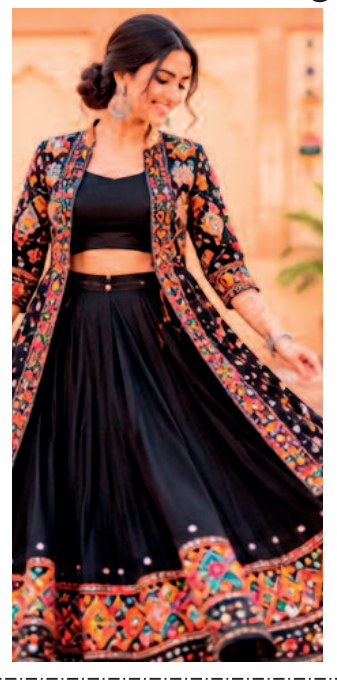

कलात्मक कारीगरी है। गुजराती और राजस्थानी संस्कृति की पहचान मानी जाने वाली कच्छी एम्ब्रॉयडरी और बारीक मिरर-वर्क से सजे लॉन्ग श्रग इस पूरे आउटफिट की जान हैं। जब इन हैवी एम्ब्रॉयडर्ड और शीशे के काम वाले लॉन्ग जैकेट को एक प्लेन या हल्के वर्क वाली फ्लेयर्ड स्कर्ट और क्रॉप टॉप के साथ पेयर किया जाता है, तो यह देखने में बेहद संतुलित और आकर्षक लगता है। शीशों पर जब पांडालों की रोशनी पड़ती है, तो डांडिया खेलते समय महिलाओं का यह लुक पूरे माहौल में एक अद्भुत चमक और उत्सव का रंग घोल देता है।

डांडिया और गरबा नाइट्स के लिए परफेक्ट और कम्फर्टेबल चॉइस

फैशन विशेषज्ञों के अनुसार, नवरात्रि जैसे बहु-दिवसीय उत्सव में सुंदरता के साथ-साथ आराम का होना भी बहुत आवश्यक है। पारंपरिक भारी लहंगों को संभालना और उनमें लगातार कई घंटों तक नृत्य करना थोड़ा कठिन हो जाता है, ऐसे में लॉन्ग जैकेट और स्कर्ट का यह सेट एक आदर्श विकल्प साबित हो रहा है। कॉटन, चंदेरी और सिलक फैब्रिक में तैयार किए गए ये लाइटवेट जैकेट्स महिलाओं को गरबा करते समय पूरी आजादी और सहजता देते हैं। क्रॉप टॉप और स्कर्ट के साथ लॉन्ग श्रग की लेयरिंग न केवल शरीर को खूबसूरत सिलुएट देती है, बल्कि डांडिया के हर मूव के साथ इसका घेरा एक शानदार विजुअल इफेक्ट भी बनाता है।

इस लेटेस्ट नवरात्रि ट्रेंड को और भी ज्यादा प्रभावशाली बनाने के लिए सही रंग और एक्सेसरीज का चुनाव बहुत मायने रखता है। इस सीजन में ब्राइट कलर्स जैसे- मस्टर्ड येलो, रानी पिंक, मयूर पंखी ब्लू और तोतिया हरे रंग के लॉन्ग जैकेट्स को न्यूट्रल या कंट्रास्ट शेड की स्कर्ट्स के साथ काफी पेयर किया जा रहा है।

